हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–186 : जौनपुर, बुधवार 27 अक्टूबर 2021 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

ग्राम प्रधान संगठन ने मुख्यमंत्री से मांगे ज्यादा अधिकार : गांवों को बनाएं स्मार्ट –सीएम योगी

लखनऊ ब्यूरो : राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। संगठन के पदाधिकारियों ने मानदेय में वृद्धि सहित आठ सूत्री मांगों पर वार्ता को सकारात्मक बताया है। संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ललित शर्मा ने बताया कि प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अखिलेश सिंह के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी से उनके आवास पर मुलाकात की। मानदेय और वित्तीय व प्रशासनिक अधिकारों में वृद्धि सहित कई मांगों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने मांगों पर आश्वासन दिया है। उन्होंने प्रधानों का आह्वान किया कि वह स्मार्ट गांव विकसित करने के लिए आगे आएं। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महासचिव कृष्णचंद्र वर्मा, गोरखपुर के मंडल उपाध्यक्ष ईश्वर मणि ओझा, जिलाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, संजय शर्मा व प्रहलाद सिंह शामिल थे। मुख्यमंत्री से मिलने के बाद पदाधिकारियों ने अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह से मांगों पर चर्चा की। इन प्रस्तावों पर हो रहा है विचार। उधर, सूत्रों का कहना है कि पंचायतीराज विभाग ग्राम प्रधानों व ग्राम पंचायत

सदस्यों, क्षेत्र पंचायत प्रमुखों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा जिला पंचायत अध्यक्षों व जिला पंचायत सदस्यों के वित्तीय व प्रशासनिक अधिकारियों में वृद्धि सहित कई प्रस्तावों पर विचार कर रहा है। पंचायत प्रतिनिधियों की सहायता के लिए कल्याण कोष की स्थापना, मनरेगा में पंचायतों के काम का भुगतान का अधिकार बीडीओ के स्थान पर प्रधानों को देने, छोटी ग्राम पंचायतों को अतिरिक्त बजट देने जैसे प्रस्तावों पर चर्चा हो रही है। बताया जा रहा है कि चुनाव की घोषणा से पहले पंचायत प्रतिनिधियों के बड़े सम्मेलन में सौगातों का एलान हो सकता है।

यूपी में 30 नए थाने खोलने की हो रही कवायद, चुनाव से पहले मिल सकती है मंजूरी

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए 25 से 30 नए थाने खोलने की कवायद की जा रही है। इसके लिए जिलों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। कई जिलों ने शासन को प्रस्ताव भेज दिया तो कई जिलों में थानों के लिए जमीन या भवन की तलाश की जा रही है। कोशिश है कि विधानसभा चुनाव से पहले ये थाने अस्तित्व में आ जाएं। गृह विभाग के अधिकारियों ने बताया कि योगी सरकार ने बीते साढ़े चार साल में 71 नए थाने खोले हैं। इसके अलावा 45 नई पुलिस चौकियां भी स्थापित की गई हैं। अब नए थानों की संख्या को 100 के पार करने का प्रयास किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि शासन को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में पांच, लखनऊ ग्रामीण व गाजियाबाद में तीन–तीन, वाराणसी कमिश्नरेट में दो और वाराणसी ग्रामीण व भदोही में एक–एक नए थाने खोलने के प्रस्ताव मिल चुके हैं। इसके अलावा मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, आगरा, कानपुर पुलिस कमिश्नरेट, कानपुर आउटर, प्रयागराज और बुलंदशहर में भी नए थानों के लिए प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। वहीं, अलग–अलग जिलों में नई पुलिस चौकियां खोलने का भी प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

'सत्ता के ताज' की तलाश में राजभरों पर दांव : विपक्ष के दांव से भाजपा की बढ़ी चुनौती

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश में 2022 में 'सत्ता के ताज' की तलाश में गैर भाजपा दलों की तरफ से राजभर बिरादरी पर दांव लगाने और उन पर डोरे डालने का काम शुरू हो गया है। इसके लिए सपा ने पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर में गठबंधन किया और बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामअचल राजभर को पार्टी में शामिल किया है। वहीं बसपा ने भी भीम राजभर को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर पूर्वांचल में अपनी गणित दुरुस्त करने की कोशिश की है। वैसे भाजपा ने ओमप्रकाश राजभर के साथ रहते हुए भी इस वोट पर अपनी खुद की संगठनात्मक पकड़ व पहुंच मजबूत बनाने का काम शुरू कर दिया था। बावजूद इसके राजभरों पर विपक्ष का दांव पूर्वांचल में भाजपा की चुनौती बढ़ा सकता है। यह समय बताएगा कि भाजपा इस चुनौती से कैसे पार पाती है। ऐसा लगता है कि विपक्ष ने पूर्वांचल में भाजपा की लगातार तीन चुनाव से बनी मजबूत पकड़ की काट उसी के सियासी गणित से करने की तैयारी की है। सब जानते हैं कि 2013 में उत्तर प्रदेश में भाजपा के प्रदेश प्रभारी बनकर आए अमित शाह ने हिंदुत्व के साथ जातिवाद की गणित पर भी गहराई से काम कराया। ओमप्रकाश राजभर, अनुप्रिया पटेल जैसे उन नेताओं को साथ लिया जिनका अपने समाज के बीच प्रभाव दिख रहा था। अन्य बिरादरी के नेताओं को भी या तो पार्टी में शामिल कराया या पार्टी में उन जातियों के कार्यकर्ताओं का पद व कद बढ़ाकर उनकी जातियों को भाजपा में तवज्जो देने का संदेश दिया। जिसका पार्टी को लाभ भी मिला। राजभर जाति पर इसलिए दांव। भले ही आबादी के लिहाज से प्रदेश की कुल जनसंख्या में राजभर बिरादरी की हिस्सेदारी सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 3 प्रतिशत ही हो, लेकिन अवध के अयोध्या से लेकर अंबेडकरनगर तक और पूर्वांचल के बस्ती से बलिया तक कई जिलों में विधानसभा की सीटों पर इनकी संख्या 10 से 20 प्रतिशत तक है। इसकी वजह से उन सीटों पर इनका

वोट निर्णायक हो जाता है। इनमें वाराणसी, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर, आजमगढ़, देवरिया, बलिया व मऊ में राजभर समाज के लोग लगभग 20 प्रतिशत तक है जबकि गोरखपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बहराइच, श्रावस्ती, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, महराजगंज, कुशीनगर में भी 10 प्रतिशत तक बताए जाते हैं। भाजपा के सामने इसलिए चुनौती। सभी को याद होगा कि 2017 से पहले भाजपा ने राजभर समाज की राजनीति करने वाले ओमप्रकाश राजभर के साथ गठबंधन किया था। जिसके कारण पूर्वांचल में कई सीटों पर राजभर बिरादरी का प्रभाव होना था। पर, अति पिछड़ों को आरक्षण के फार्मूले, पिछड़ी जाति का मुख्यमंत्री सहित कुछ अन्य मुद्दों पर ओमप्रकाश राजभर और भाजपा के बीच असहमति हो गई। जिस पर ओमप्रकाश की लगातार बयानबाजी के बाद योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल से विदाई हो गई। अब उन्होंने सपा से हाथ मिला लिया है। माना जाता है कि सपा उनके सहारे पूर्वांचल में भाजपा की गणित गड़बड़ाने की कोशिश करेगी। सरोकारों का संदेश कितना होगा कारगर। वैसे भाजपा ने हरिनारायण राजभर जैसे नेताओं को चुनावी राजनीति में उतारकर इस बिरादरी के साथ संगठनात्मक संपर्क व संवाद पर काम बहुत पहले ही शुरू कर दिया था। हरिनारायण को 2014 में पार्टी ने लोकसभा का टिकट भी दिया और वे सांसद भी चुने गए। पर, वह न अपना कद बढ़ा पाए और न राजभरों के बीच भाजपा की पकड़ व पहुंच में बढ़ोतरी कर पाए। प्रदेश में सरकार बनने के बाद भाजपा ने अनिल राजभर को मंत्री बनाकर और सकलदीप राजभर को राज्यसभा भेजकर भी राजभर बिरादरी के बीच पार्टी की सीधे पकड़ व पहुंच बढ़ाने का काम किया है। बावजूद इसके ओमप्रकाश राजभर और रामअचल राजभर जैसे नेताओं की सपा के साथ मौजूदगी ने भाजपा के सामने इस समाज के बीच चुनावी गणित को दुरुस्त रखने की राह में पहले की तुलना में कुछ मुश्किलें तो खड़ी ही कर दी है। अब आने वाले दिनों में भाजपा की तरफ से इससे निपटने के लिए क्या दांव चला जाएगा यह देखना होगा।

अयोध्या की पांचवी दिव्य दीपोत्सव को ऐतिहासिक बनाने की कवायद जोरो पर : 20 द्वार और दीपों की संख्या निर्धारित

अयोध्या (संवाददाता) सुरेंद्र कुमार। उत्तर प्रदेश योगी सरकार के पांचवें दिव्य दीपोत्सव की ऐतिहासिक बनाने का काम जोरों पर चल रही है। दीपोत्सव के मुख्य स्थल रामकथा पार्क से लेकर राम की पैड़ी व सरयू घाट को सजाने संवारने का काम विभिन्न एजेंसियां कर रही है।रामायणकालीन 20 द्वार दीपोत्सव की आभा को चार–चांद लगाएंगे। द्वार निर्माण का काम भी शुरू कर दिया गया है। इन द्वारों पर बालकांड से लेकर उत्तरकांड तक के प्रसंगों को प्रदर्शित किया जाएगा।दीपोत्सव में रामायण कालीन द्वार से अयोध्या को सजाने की जिम्मेदारी पर्यटन विभाग को सौंपी गई है। पर्यटन विभाग की ओर से रामायणकालीन 20 द्वार बनाए जा रहे हैं जो लाइट युक्त होंगे। पर्यटन विभाग ने सर्वप्रथम 20 स्थानों को चिह्नित कर द्वार बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। यह सभी द्वार रामायण के विभिन्न कांडों के प्रसंगों पर आधारित होंगे।इसके लिए पर्यटन विभाग की विशेष टीम ने सनबोर्ड तैयार किया है। इसमें लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। जब यह जलेंगे तो रामायण के प्रसंग इन बोर्डों पर इस तरह भव्यता बढ़ाएंगे कि मानो त्रेतायुग जीवंत हो रहा हो। यह द्वार अयोध्या के रामघाट ओवरब्रिज के पास से लगने शुरू होकर दोनों कार्यक्रम स्थल राम की पैड़ी, सरयू घाट व रामकथा पार्क तक रहेंगे।दीपोत्सव स्थल राम की पैड़ी, रामकथा पार्क व सरयू घाट को नया लुक देने में विभिन्न संस्थाओं के सैकड़ों कर्मी व इंजीनियर जुटे हुए हैं। इसी के तहत रामकथा पार्क में रामराज्याभिषेक समारोह के लिए विशाल मंच बनाया जा रहा है। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण व सीता सहित यहीं उतरते हैं। रामकथा पार्क के मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य अतिथियों की मौजूदगी में रामराज्याभिषेक का आयोजन किया जाता है। रामकथा पार्क पहुंचते ही त्रेतायुग जीवंत होता प्रतीत हो कुछ इसी तर्ज पर तैयारी चल रही है। इस बार सरयू पुल से लेकर गोंडा सीमा तक भव्य सजावट की जाएगी। सरयू पुल को न सिर्फ फूलमालाओं से सजाया जाएगा बल्कि विशेष लाइटिंग की जाएगी। पूरा सरयू पुल गोंडा सीमा तक दुधिया रोशनी से प्रकाशमान होगा। इसके अलावा पूरी राम की पैड़ी, रामकथा पार्क व सरयू घाट को भव्यता पूर्वक

विभिन्न माध्यमों के जरिए सजाया जाएगा। लाइट युक्त झालरों के जरिए पूरे दीपोत्सव स्थल को प्रकाशमान करने की तैयारी है। राम की पैड़ी के दीवारों पर प्रोजेक्शन मैपिंग के जरिए रामकथा का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र होगा। इसमें 160 फीट तक लेजर शो होगा। दीपोत्सव को भव्यता प्रदान करने के लिए पयर्टन विभाग की ओर से कई काम कर रहे हैं। कार्यक्रम स्थल समेत आसपास के इलाकों में सजावट संबंधी कार्य किया जा रहा है। रामायणकालीन आधारित 20 प्रवेश द्वार दीपोत्सव की आभा में चार चांद लगाएंगें। साथ ही पूरी राम की पैड़ी, रामकथा पार्क व सरयू पुल की सजावट की जा रही है।अयोध्या में बहुप्रतीक्षित दीपोत्सव की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। राम की पैड़ी पर दीपों की संख्या निर्धारित कर दी गई है। पैड़ी के 32 घाटों पर इस बार नौ लाख दीपक बिछाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें रिकार्ड बनाने के लिए सात लाख 51 हजार दीपक को एक वक्त में जलाने का लक्ष्य है। इस भव्य आयोजन में केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी भी शामिल होंगे। वियतनाम और केन्या के राजदूत भी दीपोत्सव के साक्षी बनेंगे। एक नवंबर की शाम से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इस बार स्वयंसेवकों और समन्वयकों को टीशर्ट भी दी जाएगी। समन्वयकों और स्वयंसेवकों का परिचय पत्र भी बनाया गया है। इस बार परिचय पत्र पर नाम प्रिंटेड है, जिससे परिचय पत्र के साथ छेड़छाड़ न हो सके। सबसे ज्यादा दीप वाले घाट नंबर एक पर 741 घाट नंबर सात पर 677 स्वयंसेवक 52 हजार दीपक,21वें व 22वें घाट पर पांच–पांच हजार दीपक जलाए जाएंगे। 12 हजार स्वयंसेवक, दो सौ समन्वयक और 32 पर्यवेक्षक दीपोत्सव का दायित्व संभालेंगे जो अयोध्या की दीपोत्सव भव्यता को प्रदर्शित करेगें।

भाजपा द्वारा आयोजित सामाजिक प्रतिनिधि (चमार/जाटव) सम्मेलन से समाज मे गया सकरात्मक संदेश– रामहृदय राम

आर एल पाण्डेय लखनऊ मे मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन(चमार/जाटव) से समाज मे काफी सकरात्मक संदेश पहूँचा है। संत शिरोमणि रविदास महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के सदस्य रामहृदय राम ने बुधवार को कहा कि इस कार्यक्रम मे मौजूद भाजपा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उप मुख्यमन्त्री केशव प्रसाद मौर्य,डा दिनेश शर्मा ने समाज के प्रति किए जा रहे कार्यो से अवगत कराया और इस वर्ग के हित मे केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनावो से अवगत कराया। कार्यक्रम मे रविदास महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामहृदय राम, विजय प्रताप,नीरज

गौतम,रामाशीष प्रसाद,सतीश वर्मा,सुरेश पुष्कर सहित विधायक ओम कुमार चमार,विधायक दीनानाथ भाष्कर ने अतिथियो को गुरू रविदास का चित्र भेंट कर स्वागत किया।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का सोनिया गांधी पर तंज : कहा– वो अपने क्षेत्र में दिखाई ही नहीं देतीं तो विकास क्या करेंगी

रायबरेली ब्यूरो : रायबरेली जिले की सलोन विधानसभा क्षेत्र में एक दिवसीय दौरे पर पहुंची सांसद स्मृति ईरानी ने ग्राम सभा ममुनी, धरई में चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से रूबरू हुईं और परिषदीय विद्यालय में बच्चों से पढ़ाई लिखाई के बारे में जानकारी ली। इसके बाद एक रेस्टोरेंट में आयोजित साख सम्पर्क अभियान के एक शिविर में प्रतिभाग किया। सांसद स्मृति ईरानी ने ममुनी गांव में कराए गए 90 लाख रुपये के विकास कार्यों को जनता को समर्पित किया और सरकार की उपलब्धिया गिनाई। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान वादा किया था कि विकास कार्य कराने के बाद आप सब के बीच लौटूगीं। ग्राम सभा में खड़ंजा, हैंडपम्प, इंटर लॉकिंग सड़क निर्माण कराऊंगी सो आप के बीच विकास कार्यों को कराकर उपस्थित हूं। यह काम मैंने सांसद के तौर पर नही आपकी दीदी होने के नाते किया है। उन्होंने सरकारी कागज दिखाते हुए कहा कि कुछ लोगों को लगेगा कि काम कहां हुआ है तो यह कागज मेरे पास है। पूरे प्रमाण के साथ यह कागज और वीडियो ग्राफी फोटो है। जो यह प्रमाणित करती है कि विकास कार्य हुआ है। उन्होंने रायबरेली की सांसद सोनिया गांधी का नाम लिए बगैर तंज कसा और कहा कि जनपद एक है, लेकिन सांसद दो हैं। सामने वाले लोगों से पूछो कि आपकी सांसद आपके क्षेत्र में दिखीं तो चुप हो जाएंगे। किस घर से किस घर तक खड़ंजा बना, इसकी जानकारी उनके सांसद को नहीं है। वहीं सलोनवासी बड़े गर्व के साथ कह सकते है कि सांसद दीदी स्मृति ईरानी विकास कार्यो का लेखाजोखा दे सकती है और बराबर अपने संसदीय क्षेत्रों में जनता के सुख दुख में आती जाती रहती हैं। यह इसीलिए सम्भव हो पाया है कि आपके द्वारा चुना गया जनप्रतिनिधि आपके मध्य आकर अपने कामो का हिसाब दे सकती है। कहा, इस दिवाली पर दो दिए जलाना। सांसद स्मृति ने आगे कहा कि आज दीदी आकर कह रही है दो वर्षों में जितना काम किया है और आने वाले दिनों में भी आपके बीच विकास कार्य करती रहूंगी। इससे पहले उन्होंने पूर्व सैनिकों और आशा बहुओ को फूल माला पहना कर उनका सम्मान किया। अंत मे दिवाली की बधाई देते कहा कि इस दीपावली में दो दिए आप सब अपने घरों में जलाना। एक उनके लिए जो देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए है, और एक उनके लिए जो सरहद पर भारत माता की रक्षा के लिए सीमा पर डटे हैं।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dkulive चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

शिविर में 173 मरीजों ने कराई आंखों की जांच

आर एल पाण्डेय लखनऊ। सरोज फाउंडेशन की डायरेक्टर कारीगर बुनकर प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी की सह संयोजक श्रीमती सरोज

त्रिपाठी की निगरानी में अर्जुनगंज में निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। 173 मरीजों की निःशुल्क जांच की गई एवं चश्मा का वितरण किया गया। अध्यक्षता श्रीमती क्षिप्रा शुक्ला ने की। इस अवसर पर शिविर में अनुपम देवी, सन्नो रावत ,राधारानी, निर्मला शर्मा, रीता श्रीवास्तव, रजा खान, जया वर्मा, अमृता सिंह और पूजा गौतम को समाजसेविका श्रीमती सरोज त्रिपाठी ने चश्मा भेंट किया।

इंस्पेक्टर आलोक राय के नेतृत्व में कृष्णा नगर पुलिस का सराहनीय कार्य

आर एल पाण्डेय लखनऊ। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ के निर्देशन व पुलिस उपायुक्त मध्य व सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर के कुशल निर्देशन में कार्य कर रही थाना कृष्णानगर पुलिस के सराहनीय कार्य

की जानकारी देते हुए इंस्पेक्टर आलोक राय ने बताया कि जिला सोनभद्र से भटकते भटकते लखनऊ पहुँच चुकी एक नाबालिग लड़की खुशबू उम्र 13 वर्ष बाराविरवा चौराहे के पास भटक रही थी कि थाना कृष्णानगर पुलिस की नारी शक्ति मिशन के तहत गस्त कर रही पिंक पेट्रोल स्कुटी की महिला पुलिस कर्मियो के द्वारा नाम पता पूछने पर अपना नाम खुशबू पुत्री रामजनम निवासिनी ग्राम पटवर पोस्ट चौपन थाना सोनभद्र जिला सोनभद्र बताते हुए यह बतायी कि मै अपने घर से भटकते भटकते यहाँ तक पहुंच गयी हूं। इसी क्रम में पिंक पेट्रोल पर गस्त कर रही महिला पुलिस कर्मियो के द्वारा खुशबू के माता–पिता से सम्पर्क कर खुशबू उपरोक्त को उनके माता – पिता को सकुशल सुपुर्द किया गया।

घरेलू हिंसा के मुकदमे दायर करने की समयसीमा नहीं : हाईकोर्ट

लखनऊ ब्यूरो : इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत मुकदमों को दायर करने की समयसीमा को लेकर अहम फैसला दिया है। इसमें कहा गया है कि ये मुकदमे सिविल

प्रकृति के होते हैं। लिहाजा कभी भी दाखिल किए जा सकते हैं। इनके दायर करने के तर्क संगत समय के मुद्दे पर संबंधित अदालत निर्णय ले सकेगी। मियाद अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम के मामलों में लागू नहीं होता क्योंकि ये केस आपराधिक प्रकृति के नहीं होते हैं। न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति सरोज यादव की खंडपीठ ने यह फैसला त्रिलोचन सिंह की याचिका पर सुनवाई कर एकल पीठ की ओर से संदर्भित प्रश्नों के जवाब देते हुए पारित किया। एकल पीठ ने दो कानूनी सवालों को तय करने के लिए मामला संदर्भित किया था। पहला सवाल था कि काफी समय बीतने के बाद घरेलू हिंसा अधिनियम की धारा 12 के तहत दाखिल मुकदमा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 468 के तहत कालातीत माना जाएगा अथवा नहीं। खंडपीठ ने इसका उत्तर देते हुए कहा कि चूंकि अधिनियम की धारा 12 के तहत दाखिल मुकदमा अनुतोष की प्राप्ति के लिए होता है। इसलिए यह सिविल प्रकृति का मुकदमा होता है। ऐसे मुकदमे पर दंड प्रक्रिया संहिता लागू नहीं होती। वहीं, दूसरा प्रश्न था कि अगर इसे सिविल प्रकृति का माना जाए तो क्या मियाद अधिनियम के तहत तीन वर्ष के भीतर ही मुकदमा दाखिल होना चाहिए अथवा किसी भी समय इसे दाखिल किया जा सकता है। इसका उत्तर देते हुए कोर्ट ने कहा कि विधायिका ने ऐसे मुकदमों पर कोई मियाद तय नहीं की है। इसलिए मियाद अधिनियम इन मुकदमों पर लागू नहीं होगा।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

खुशनसीब वह है जो, सदा खुश रहकर खुशी का खजाना बांटता रहे–

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

संस्कृति का स्वतः परिष्करण ही सर्वोत्तम

संस्कृति का अर्थ है किसी समूह के लिए ''अनुकरणीय संशोधित चुनिन्दा व्यवहारों की व्यवस्थित श्रृंखला।'' एक श्रृंखला जो कि गढ़ती है मनुष्यता की परिभाषा। जो सिखाती है नवजात शिशुओं को मनुष्य होना। पीढ़ी दर पीढ़ी, पढ़ाती रहती है, बालकों को मानवता का पाठ। किसी के भी अवचेतन मस्तिष्क में स्थापित होकर बन जाती है रिश्तों का विश्वसनीय आधार। मन–मस्तिष्क में जब विश्वास उपजता है तो उसका अप्रत्यक्ष–कारण होती है यही श्रृंखला यानी संस्कृति। जिस किसी पर विश्वास उत्पन्न होता है उस विश्वास का आधार भी यही संस्कृति होती है। संस्कृति ही है जो मानव को अन्य जीवों से श्रेष्ठ बनाती है। हर ''जीव'' की और ''जीव–प्रजाति'' की अलग–अलग संस्कृति होती है।

जीन्स और संस्कृति का सम्यक, गहन ज्ञान होने से प्रत्येक जीव अगले पल क्या व्यवहार करेगा, ये अनुमान लगा पाना बहुत ही सरल होता है। जीन्स और संस्कृति का यह ज्ञान जितना गहरा होगा, अगले पल का ''अनुमान'' सच के उतना ही निकट होगा। समस्त जीव–जंतुओं का व्यवहार निर्धारित होता है सिर्फ जीन्स के कारण। मनुष्य अकेला जीव है जिसके व्यवहार तय होते हैं जीन्स और संस्कृति से। उन्नति, विकास और खुशहाली के लिए मनुष्य ने चुनिंदा श्रेष्ठ व्यवहारों के अनुकरण के लिए कोशिश की। और धीरे–धीरे कालान्तर में ऐसे ''अनुकरणीय श्रेष्ठ चुनिंदा व्यवहारों'' की एक श्रृंखला'' तैयार होती चली गयी जिसे संस्कृति का नाम दिया गया। इसीलिए समूहों की संस्कृति उनके कार्य व्यवसाय के आधार पर परिवर्तित होती चली गयी यानी भिन्नता आ गयी। किन्तु कुछ मुख्य तत्व समान रहे, यही तत्व समरूपता का आधार बने। ये मुख्य तत्व हैं– अपने जैसा दूसरे को समझना यानी अपनी जरूरत, अपने दुख–दर्द, अपनी खुशी, की तरह दूसरे की जरूरत दूसरे के दर्द व खुशी का एहसास कर, सहयोग–सहकार के भाव से प्रेरित होकर अगले को प्राथमिकता देते हुए अपने व्यवहार का निर्धारण। दूसरे शब्दों में व्यक्तिवादी नहीं समूहवादी व्यवहार को अपनाना। व्यक्तिवाद को स्वार्थ और समूहवाद को परमार्थ कहा गया। ऐसे ही श्रेष्ठ तत्वों और व्यवहारों की व्यवस्थित श्रंखला का निर्माण ही संस्कृति का निर्माण है।

प्रत्येक समूह की आवश्यकताओं के सापेक्ष एक अलग संस्कृति का निर्माण होता चला गया। किसी समूह के व्यक्ति का भावी व्यवहार क्या होगा ये जानने के लिए उसकी संस्कृति का जानना जरूरी है क्योंकि मनुष्य का भावी व्यवहार तय होता है उसकी संस्कृति से उसके जीन्स से। इसीलिए एक ही परिस्थिति में भिन्न–भिन्न संस्कृति के अनुयायियों का भावी व्यवहार भिन्न भिन्न हो जाता है। ज्ञान की शाखाओं, प्रशाखाओं के विस्तारण के साथ ही संस्कृतियों का घाल–मेल बढ़ता गया है। कुछ लोगों ने इसे अपसंस्कृति कहा तो कुछ ने संस्कृति–संक्रमण कहा। किन्तु सीमित और संकुचित के टूटने पर समझ बढ़ी है। बढ़ी हुई समझ की गति भी बढ़ी है। बढ़ते ज्ञान और समझ के कारण इक्कीसवीं सदी अपसंस्कृति और संक्रमण के लिए जानी जाएगी। यानी कोई भी संस्कृति अपसंस्कृति और संक्रमण का शिकार होने से बच नहीं सकी है। सभी संस्कृतियों के सीमित संकुचित दायरे, क्रम दर क्रम टूटते चले गए हैं। सभी ने एक दूसरे में जिसे श्रेष्ठ समझा है ग्रहण करते गए हैं। कई बार अश्रेष्ठ को भी भ्रमवश श्रेष्ठ समझ कर ग्रहण किया है। श्रेष्ठ और अश्रेष्ठ का विवाद सिर्फ पुरातनवादिता व नूतनवादिता के बीच के टकराव हैं। जो भी हो तेजी से हुए बदलावों ने एक नए आकाश की खोज कर डाली है।दुनियाँ भर की सभी संस्कृतियों द्वारा एक दूसरे का श्रेष्ठ स्वीकार करने की तेज प्रवृत्ति के कारण स्वतः एक नई संकल्पना जन्मी है यानी ''विश्वग्राम'' जैसी संकल्पना आस्तित्व में आई है।

''विश्वग्राम'' जैसी नई संकल्पना यानी नई विश्व–संस्कृति ने अन्य सभी संस्कृतियों के समक्ष अपने अस्तित्व को बचाने जैसा भीषण संकट उत्पन्न कर दिया है। यह संकट भी पुरातनता और नूतनता के बीच संघर्ष से अधिक कुछ नहीं है। एक बेचौनी दिख रही है पुरातनवादियों में। संस्कृतियों में परिष्करण की प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप, परिवर्तित दिशा और दशा को स्वीकार न कर पाना ही सीमितता है और पुरातनवादी प्रवृत्ति की बेचौनी का कारण भी है। बढ़ती बेचौनी का विस्फोट को विकास विरोधी हो जाना सम्भावित है। जो बहुत खतरनाक स्थिति को जन्म दे सकता है। भारत ऐसी ही खतरनाक परिस्थितियों के मध्य झूला झूल रहा है। बेचौनी से उपजे अनेक प्रयोग सार्थक न निकले तो अधकचरी भयावह स्थिति पनपेगी। प्रयोग में फँसी पीढ़ियों के साथ हुए अन्याय की भरपाई का कोई सवाल ही नहीं, साथ ही अवैज्ञानिक प्रवृत्तियों की बाढ़ का खतरा अलग से।

विश्वग्राम संकल्पना व विश्व–संस्कृति का स्वीकार अपनी संस्कृति का नकार नहीं होता है। एक साथ दो आयामों पर ठहरा–जाना आम व्यवहार है। मूल्यों की प्राथमिकता का निर्धारण तो करना ही होगा।

व्यक्ति खुद एक जीवंत इकाई है। परिवार उसका पहला वृत है। जिसमें रहकर वह सुख और आनन्द प्राप्त करता है। दूसरा वृत है समाज। अनेक बार समाज और परिवार के बीच प्राथमिकता का द्वंद उत्पन्न होता है ऐसे में जीवंत मनुष्य अपने ज्ञान और समझ के आधार पर तथा स्वार्थ और परमार्थ जैसे मूल्यों के आधर पर द्वंद से निपटता है। इसीप्रकार अनेक वृत हैं जहाँ टकराव होता रहता है और मनुष्य निरन्तर प्राथमिकताएं तय करता रहता है। राष्ट्र और विश्व जैसे संवैधानिक वृत भी हैं। अपनी संस्कृति और विश्व संस्कृति के बीच भी अलग–अलग समय में अलग–अलग परिस्थिति में अलग–अलग प्राथमिकताएं तय करनी होती हैं। इन प्राथमिकताओं को तय करते समय मनुष्य के मन–मस्तिष्क में पूर्व से स्थापित सांस्कृतिक मूल्य, ज्ञान व समझ, स्वार्थ–परमार्थ आदि आधार बनते हैं। निरन्तर बढ़ती हुई नई समझ के कारण एक अल्पकालिक भ्रम का उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। नूतनता और पुरातनता के जुनून को त्यागे बिना भ्रम की उम्र को कमतर नहीं किया जा सकता है। समय तो स्वयं श्रेष्ठ शिक्षक है ही।

विज्ञान के बढ़ते कदमों ने भी सभी संस्कृतियों पर कम आघात नहीं किये हैं। विज्ञान के आलोक में कुरीतियाँ, कुसंस्कार और अंधविश्वास मरणासन्न होते चले गए हैं। संस्कृतियों में घुल–मिलकर हिस्सा बने अंधविश्वासों व कुरीतियों की टूटती कड़ियों से संस्कृतियाँ स्वतः परिष्कृत होती रही हैं। अन्तिम साँसें लेते अंधविश्वासों को आक्सीजन मिल जाने का अवसर मिल सकता है जब कभी पुरातनता सशक्त हो उठे। इतने अंश में पुरातनता की महत्ता कमतर होती दिखती है।

दरअसल अपनी–अपनी सामूहिक पहचान को कायम रखने का साधन बन गयी है संस्कृति। जो मनुष्य और मनुष्यता की व्यापकता के संदर्भ में कदाचित अनुचित है। अनुचित ही नहीं अहितकारी भी है। सवाल उठता है कि पहचान जरूरी क्यों है? इससे बड़ा सवाल है कि वही पुरानी पहचान जरूरी क्यों है? अगर पहचान जरूरी भी है तो भी वापस जाने की तुलना में आगे बढ़ते हुए अलग पहचान कायम रखने की कोशिश ही हितकारी और सर्वोपयुक्त होगी। जो भी हो पहचान कायम रखने की प्रबल इच्छा कई बार आत्मघाती बन जाया करती है और नूतनता का जुनून भी आत्मघाती बनते हुए देखा जा सकता है। वास्तव में दोनों एक–एक छोर हैं। मानव और मानवता का वृहत्तर उत्कर्ष ही संस्कृति का उद्देश्य रहा है। इससे इतर जो भी सायास, अनायास जोड़ घटाव हुआ है वो सीमिति स्वार्थ से अलग कुछ नहीं है। संस्कृति संरक्षण के नाम पर हो रहा उपक्रम यदि अन्यथा उद्देश्य से प्रेरित होगा तो परिणाम भी अवांछित ही होंगे। संस्कृति का स्वतः परिष्करण ही मानव और मानवता के लिए हितकारी रहेगा।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वीप योजना अन्तर्गत मतदाता जागरूकता हेतु बैठक हुई आयोजित

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को अपरान्ह में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वीप योजना अन्तर्गत मतदाता जागरूकता हेतु बैठक आयोजित की गयी, जिसमें आयोग के अपेक्षानुसार ''कोई मतदाता न छूटे'' के क्रम में मतदाता जागरूकता हेतु चलाये जाने वाले समस्त अभियानों पर विचार–विमर्श किया गया, जिसमें युवा मतदाता (18–19, 19–30 आयु वर्ग के मतदाता), महिला मतदाता तथा दिव्यांग मतदाताओं के पंजीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके अतिरिक्त मतदाता सूची से मृतक एवं अन्य अनर्ह मतदाताओं के विलोपन की कार्यवाही, अर्ह मतदाताओं के पंजीकरण हेतु निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया अपनायी जाय। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदाता जागरूकता हेतु विद्यालय/विश्वविद्यालय, नेहरू युवा केन्द्र, एनएसएस, एनसीसी, युवा कल्याण विभाग एवं उपस्थित स्वयं सेवी संस्थाओं से विचार–विमर्श कर

प्रभात फेरी/रंगोली, निबन्ध प्रतियोगिता, चुनाव पर चर्चा, ग्राम सभा की बैठक आदि के माध्यम से प्रचार–प्रसार कराये जाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) हर्षदेव पाण्डेय, बीएसए दीवान सिंह, एसडीएम वन्दना पाण्डेय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी/छात्र एवं एनजीओ प्रमुख उपस्थित रहे।

वाराणसी में दो डिग्री न्यूनतम तापमान में आई गिरावट : बढ़ने लगी सिहरन

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी समेत पूर्वांचल के जिलों में मौसम बदलने लगा लगा है। अब सुबह–सुबह हल्की सिहरन सी उठने लगी है। पिछले हफ्ते हुई बूंदाबांदी वजह से कोहरा भी दिखने लगा है। साथ ही तापमान में गिरावट आई है। आज अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 19 डिग्री से ज्यादा, जबकि मंगलवार को 19 सेल्सियस था। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, दीपावली के बाद से वाराणसी समेत पूर्वांचल में ठंड बढ़ने की संभावना है। तापमान में गिरावट दर्ज हो रही है। अक्तूबर के तीसरे सप्ताह से ही मौसम बदला है। शहरी इलाकों में तो कम, लेकिन ग्रामीण इलाकों में सुबह कोहरा छाने लगा है। इधर शहरी क्षेत्र में आधी रात के बाद ओस गिरने लगी है। मंगलवार को शिवपुर, चांदमारी, राजातालाब, आराजीलाइन, चौबेपुर, चिरईगांव आदि ग्रामीण क्षेत्रों में कोहरा दिखा। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक

प्रो. मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि पहाड़ी इलाकों में हो रही बारिश से ही यूपी में ठंड बढ़ने लगी है। इस बार मानसून की भी देरी से विदाई हुई है। आमतौर पर 30 सितंबर को मानसून खत्म हो जाता है। इस बार 10 अक्तूबर के बाद मानसून लौटा।

म्यांमार व बांग्लादेश के मुस्लिम युवकों को हिंदू नाम देकर विदेश भेजने वाले गिरोह का पर्दाफाश : चार गिरफ्तार

लखनऊ ब्यूरो : यूपी एटीएस ने बांग्लादेश के रोहिंग्या मुसलमान युवकों व म्यांमार के नागरिकों को फर्जी दस्तावेज उपलब्ध करवाकर विदेशों में भेजने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन बांग्लादेशी व एक भारतीय युवक को गिरफ्तार किया है। ये लोग मुस्लिम युवकों को हिंदू नाम वाले फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड और पासपोर्ट उपलब्ध करवाकर विदेश भेजते थे। इसके बाद उनसे भारी रकम वसूलते थे। मानव तस्करी के लिए फर्जी पते पर दस्तावेज तैयार किए जाते थे जिससे कि बांग्लादेशी रोहिंग्या को भारतीय पहचान मिल सके और फिर पासपोर्ट पर अपनी पहचान पूर्ण रूप से छिपाकर हिंदू नामों का प्रयोग कर उन्हें विदेश भेजते थे। यूपी एटीएस ने शाउन अहमद, मोमिनुर इस्लाम, मेहंदी हसन और मिथुन मंडल को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पांच मोबाइल फोन, तीन भारतीय पासपोर्ट, चार आधार कार्ड, 12 एटीएम कार्ड, एक पैन कार्ड, एक दिल्ली

मेट्रो कार्ड और तीन वोटर आईडी बरामद की हैं। बता दें कि विदेश यात्रा के लिए इनके द्वारा करवाई गई कोरोना की आरटीपीसीआर जांच भी फर्जी पाई गई है।

पुरानी पेंशन बहाली तक संघर्ष जारी रहेगा – अटेवा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अटेवा जौनपुर की एक बैठक जिला मीडिया प्रभारी इंदु प्रकाश यादव की अध्यक्षता मे जिला कलेक्ट्रेट मे हुई, जिसमे NPS निजीकरण के विरोध में पेंशन शंखनाद रैली जो कि लखनऊ में 21 नवंबर को होनी है की तैयारी की चर्चा की गयी। अटेवा जौनपुर के जिला महामंत्री संदीप कुमार चौधरी ने NPS और निजीकरण को देश के लिए दुर्भाग्य पूर्ण बताया।उन्होंने बताया कि NPS शिक्षको, कर्मचारियों पर थोपा गया एक ऐसा अन्याय पूर्ण आर्थिक बोझ है जिससे वह अपने 60 से 62 साल के जीवन तक खुद की सैलरी से कटौती करके एकत्र करता है यदि 60 साल के बीच में उसे किसी कारण से रिटायरमेंट लेना पड़े तो उसे कुछ भी नहीं मिलता। अटेवा जौनपुर के जिला कार्यक्रम प्रभारी इंदु प्रकाश यादव ने बताया कि NPS में 14% नियोक्ता और 10: कर्मचारी के लगभग 24% पैसा इन्वेस्ट हो रहा है। लेकिन मजे की बात यह है जिस सरकार ने भी नई पेंशन स्कीम बनाई उसने यह पैसा शेयर मार्केट में लगा दिया यानी कि व्यापारियों के लिए यह 24% तय कर दिया गया और यह 24% शेयर मार्केट में उन व्यापारियों के हाथों में सौंप दिया गया जो आए दिन दिवालिया होते रहते हैं या खुद की कंपनियों को जानबूझकर दिवालिया घोषित करके विदेश भाग जाते हैं। और जब आप 60 से 62 साल के बाद रिटायर होते हैं तो आपके हाथों में होता है अनियमितता का एक ऐसा जाल जहां आपको नहीं पता कि आपके पिछले 40 साल का पैसा किस शेयर मार्केट में और किस कंपनी में इन्वेस्ट हुआ था। हो सकता है अचानक ही सुनने को मिले कि वह कंपनी तो डूब गई। रिटायरमेंट पर

मिलने वाला पैसा आपको किसी बीमा कंपनी में इन्वेस्ट करना होगा जो तय रकम का ब्याज आपको देगी और वही आपकी पेशन होगी।जिला उपाध्यक्ष डा राजेश उपाध्याय ने 21 नवम्बर को लखनऊ चलने का निवेदन किया। साथ ही सरकार से बुढ़ापे की लाठी और सहारा दोनों ही पुरानी पेंशन के द्वारा ही संभव है।इसलिए सरकार इसके बहाली पर विचार करे नही तो अटेवा मंच को बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस मौके पर जगदीश यादव व सुरेंद्र सरोज को सदस्य जिला कार्यकारिणी व शशि राय को ब्लॉक संयोजक मुफ्तीगंज के पद की जिम्मेदारी जिला संयोजक चन्दन सिंह ने दी , उन्होंने बताया कि इससे अटेवा और मजबूत होगा तथा लखनऊ में जौनपुर से हजारों की संख्या में लोग पहुचेंगे। इस मौके पर संदीप यादव, टी एन यादव, अखिलेश यादव,रत्तिलाल निषाद, रवीश यादव, शिवबचन यादव , अजय मिश्रा, शांत सिंह , आनन्द निषाद, मनीष यादव, यादवेंद्र यादव , विनोद यादव, रघुराज यादव सहित तमाम साथी उपस्थित रहे।

पीएम के अगले दौरे के लिए परियोजनाओं को पूरा करना चुनौती : ड्रीम प्रोजेक्ट में काशी विश्वनाथ धाम भी शामिल

वाराणसी ब्यूरो : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 28वां वाराणसी दौरा होने के बाद मंगलवार से ही प्रशासन नवंबर महीने में पूरी होने वाली परियोजनाओं में जुट गया है। अगले महीने काशी विश्वनाथ धाम सहित कई बड़ी परियोजनाओं को पूरा किए जाने की चुनौती है। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टेलिफोनिक वार्ता में प्रशासनिक अधिकारियों को लोकार्पित परियोजनाओं के सफल संचालन के साथ ही अगले प्रोजेक्ट्स को समय से पूरा करने का निर्देश दिया है। पूरी दुनिया के शिवभक्तों के लिए बड़ी सौगात के रूप में तैयार हो रहे काशी विश्वनाथ धाम को 15 दिसंबर तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है। 15 दिसंबर से 15 जनवरी तक खरमास होने के कारण नवंबर में पूरी होने वाली परियोजनाओं का लोकार्पण 15 दिसंबर से पहले हो सकता है। दरअसल, काशी विश्वनाथ धाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल है। ऐसे में उसका लोकार्पण पीएम मोदी के हाथों ही कराया जाना तय है। पीएम की परिकल्पना पर बन रही इस परियोजना को समय से पूरा करने के लिए अफसरों की टीम जुटी है। ऐसे में प्रशासन अब नवंबर और दिसंबर की समयसीमा वाली परियोजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। यहां बता दें कि काशी विश्वनाथ धाम का जलासेन और ललिता घाट से जुड़ा काम बाढ़ के पानी के चलते शुरू नहीं हो पाया है। मंगलवार को मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल की अध्यक्षता में

मंदिर से जुड़े अधिकारियों की मैराथन बैठक हुई और यहां काम शुरू किए जाने की कार्ययोजना बनाई गई है। कंसलटेंट की सलाह पर भवनों के संचालन की नीति। काशी विश्वनाथ धाम में बनकर तैयार एक दर्जन से ज्यादा भवनों के संचालन के लिए नियुक्त कंसलटेंट को नीति निर्धारण का दायित्व सौंपा गया है। इसमें ज्यादातर काम बिना लाभ वाले होने के चलते इसके लिए अलग तरह के नियम बनाए जाएंगे। इसके अलावा मंदिर की साफ सफाई, सुरक्षा सहित अन्य सुविधाओं के लिए भी कार्ययोजना तैयार की जा रही है। नए साल से पहले मिलने वाली प्रमुख परियोजनाएं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, शिवपुर लहरतारा फुलवरिया रोड, खिड़किया घाट के सौंदर्यीकरण का काम, सारनाथ में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लहुराबीर में लीगल मेट्रोलॉजी लैब, महगांव में राजकीय आईटीआई मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल ने बताया कि नवंबर और दिसंबर में पूरी होने वाली परियोजनाओं की समीक्षा कराई जा रही है। काशी विश्वनाथ धाम का निरीक्षण कर घाट पर काम शुरू करने की कार्ययोजना बना ली गई है। तय समय पर परियोजनाएं पूरी कराई जाएंगी।

मेडिकल संचालक की पत्नी ने फांसी लगाकर दी जान अवसाद से ग्रस्त थी महिला, पुलिस जांच में जुटी

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी में मंगलवार रात एक महिला न फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब वह नहीं उठी तो पति उसे उठाने के लिए पहुंचा तो कमरे के बाहर से आवाज दी। जब कोई जवाब नहीं आया तो उसने खिड़की से झांककर देखा तो महिला रस्सी के सहाने फांसी का फंदा बनाकर लटकी हुई थी। उसने शोर मचात हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार, पवन दास की शादी जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर की अंजू गुप्ता(46) के साथ हुई थी। इनके दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा दर्श 16 साल और दिव्यांश 14 साल का है। दोनों बेटे सेंट जॉन्स में पढ़ते है। पवन दास दवा के बड़े कारोबारी हैं और लंका में मेडिकल की दुकान चलाते हैं। पवन दास ने बताया कि अंजू पिछले कुछ समय से अवसाद में रह रही थी। दोपहर में लंका स्थित दुकान पर जाती और देर शाम वापस लौटती थी। मंगलवार को दुकान पर नहीं गई। रात में दुकान से पवन दास 10 बजे लौटे और खाना खाने के बाद बच्चों के साथ बगल वाले कमरे में सो गए। इस दौरान देर रात अंजू ने रस्सी के सहारे फांसी

लगाकर जान दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। एसओ चितईपुर मिर्जा रिजवान बेग ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का लग रहा है। अभी मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। अंजू की मौत की जानकारी होने पर शहर में रहने वाला भाई अजय मौके पर पहुंच गया। पुलिस आगे की जांच पड़ताल कर रही है।

संसद जैसी अभेद्य होगी हाईकोर्ट की सुरक्षा, तकनीक के सहारे की जाएगी नाकाबंदी

प्रयागराज ब्यूरो : आने वाले समय में इलाहाबाद हाईकोर्ट की सुरक्षा संसद जैसी अभेद होगी। तकनीक के सहारे चप्पे–चप्पे पर नाकेबंदी की जाएगी। पूरे परिसर पर 24 घंटे नजर रखने के लिए इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाएगा। वादकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों समेत अन्य के परिसर के भीतर प्रवेश के लिए यूनीक आईडी व्यवस्था भी जारी की जाएगी। यह निर्णय मंगलवार को पुलिस लाइन में आयोजित हाईकोर्ट सिक्योरिटी रिव्यू कमेटी की हाईलेवल बैठक में लिया गया। लखनऊ से आए एडीजी सिक्योरिटी विनोद के सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सुरक्षा से जुड़े अन्य विभागों के साथ ही हैदराबाद की इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया(ईसीआईएल) के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक में सबसे पहले तय हुआ कि हाईकोर्ट परिसर की सुरक्षा में लगा संख्या बल बढ़ाया जाए। यह भी बात हुई कि हाईकोर्ट परिसर के बाहर यानी परिधि में आने वाले रास्तों पर भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं। परिसर के भीतर लगे कैमरों के साथ ही सुरक्षा संबंधी अन्य उपकरणों की संख्या भी बढ़ाई जाए। बैगेज स्कैनर, डीएफएमडी की संख्या बढ़ाने के साथ ही और भी सुरक्षाकर्मियों को हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर से भी लैस करने पर विचार हुआ। पूरे परिसर की 24 घंटे अनवरत निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड कंट्रोल सेंटर स्थापित करने पर भी चर्चा हुई। एक महत्वपूर्ण बात यह रही कि सुरक्षा के लिए रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) तकनीक के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। इस तकनीक में डाटा भेजने और ग्रहण करने के लिए रेडियो तरंगों का इस्तेमाल होता है। जिसके तहत संबंधित व्यक्ति की पहचान टैग के जरिए की जाती है। इसमें संबंधितों को टैग के जरिए यूनिक आईडी दी जाती है और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से डाटा का मिलान किया जाता है। फिलहाल अभी इस पर पूरी तरह से सहमति नहीं बन पाई है। बैठक में आईजी राकेश सिंह, डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह, एसपी हाईकोर्ट सुरक्षा समेत अन्य अफसर मौजूद रहे। मुकदमा वापसी की अर्जी खारिज। स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए ने जौनपुर

के भाजपा के पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह और उनके समर्थकों पर दर्ज मुकदमा वापस किए जाने की अर्जी खारिज कर दी है। विशेष अदालत ने प्रकरण में अभियुक्तों के विरुद्ध आरोप तय किए जाने के लिए 20 नवंबर की तारीख नियत की है और आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित रहने का आदेश दिया है। यह आदेश स्पेशल कोर्ट के जज आलोक कुमार श्रीवास्तव ने शासन के निर्देश पर अभियोजन द्वारा प्रस्तुत मुकदमा वापसी की अर्जी पर सुनवाई करते हुए दिया है। प्रकरण जनपद जौनपुर के कोतवाली का है। प्रभारी निरीक्षक रहे एके सिंह ने सुरेंद्र प्रताप सिंह और उनके 13 समर्थकों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। पूर्व विधायक और उनके समर्थकों पर आरोप है कि कचहरी में धरना प्रदर्शन करने के लिए जाते समय ओलदंगंज चौराहे पर दुकानदारों से मारपीट की और जबरन उनकी दुकानें बंद कराई थीं। मौके पर पहुंची पुलिस के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था और पुलिस जीप व वायरलेस सेट को तोड़ तोड़ दिया था। साथ ही पुलिसकर्मियों पर हमला किया। घटना में पुलिसकर्मियों को चोटें आई थीं। शासन के निर्देश पर स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए में 16 जुलाई 2021 को डीजीसी गुलाब चंद्र अग्रहरी ने वाद वापसी की अर्जी प्रस्तुत की थी। कोर्ट ने कहा कि आरोपितों के द्वारा जनमानस में विधि विरुद्ध कार्य किया गया है, जो लोकहित के विपरीत है। कोर्ट ने वाद वापसी की अर्जी को खारिज कर दी।

भाजपा जौनपुर ने प्रधानमंत्री मोदी को 100 करोड़ वैक्सिनेशन पर दी बधाई

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : भारत ने कोरोना वैक्सीनेशन में नया इतिहास रच दिया है, इस मौके पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी, इसके साथ ही उन्होंने भारत के वैज्ञानिकों, हेल्थवर्कर्स को बधाई दी, भारतीय विज्ञान, उद्यम और 130 करोड़ भारतीयों के सामूहिक भावना की जीत देख रहे हैं। 100 करोड़ टीकाकरण पार करने पर भारत को बधाई। हमारे डॉक्टरों, नर्सों और इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए काम करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि पूरे विश्व में भारत एक ऐसा देश है जहां 100 करोड़ लोगों को कोरोना का टीक लग गया है भारत के टीकाकरण के कार्य को डब्ल्यूएचओ जैसे संगठन ने भी सराहा है उन्होंने आगे कहा कि विकसित देशों की तुलना में भारत जैसे विकासशील देश प्रधानमंत्री नरेंद्र दास मोदी के नेतृत्व में टीकाकरण की जो उपलब्धि हासिल की है, उसे अच्छे से अच्छे विकसित देश ने भी हासिल नहीं कर पाया, इसलिए भाजपा जौनपुर के टीम की तरफ से एक बार फिर से मोदी जी को ढेर सारी बधाई। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री गण सुशील मिश्रा, पीयूष गुप्ता, सुनील तिवारी, अमित श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष गण सुधाकर उपाध्याय, सुरेंद्र सिंघानिया, किरण श्रीवास्तव, राकेश वर्मा, संतोष सिंह, संदीप

सरोज, जिला मंत्री गण रविंद्र सिंह "राजू दादा", अभय राय, उमाशंकर सिंह, अवधेश यादव, राज पटेल, विजय लक्ष्मी साहू, प्रमोद यादव, जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह, जिला सोशल मीडिया सिद्धार्थ राय, जिला आईटी संयोजक रोहन सिंह, जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा अनिल गुप्ता, जिला महामंत्री किसान मोर्चा इंद्रसेन सिंह, जिला महामंत्री पिछड़ा मोर्चा प्रमोद प्रजापति, हर्ष मोदनवाल, अवनीश यादव, मंडल अध्यक्ष गण विनोद शर्मा, बलबीर गौड़, विनोद मौर्य, लवकुश सिंह, सुनील अग्रहरि, भोला सिंह, रामस्वारथ बिंद, बंशबहादुर पाल, हर्षनारायण शुक्ला, अमित श्रीवास्तव, विकास शर्मा, मदन सोनी, धर्मेंद्र मिश्रा, राजकेशर पाल, अजय मिश्रा, जितेंद्र मिश्रा, भूपेश सिंह, शैलेश सिंह, नरेंद्र विश्वकर्मा, सुरेंद्र विक्रम सिंह, महेंद्र बिंद, संतोष गुप्ता चंद्रेश गुप्ता, दिलीप शर्मा उपस्थित रहे।

द्वितीय चरण के आंदोलन के अंतिम दिन दिया ज्ञापन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : परिषदीय विद्यालय के शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु सात सूत्रीय मांगों को लेकर बाइस अक्टूबर से चल रहे प्रदेश व्यापी आंदोलन के द्वितीय चरण के अंतिम दिन जनपदीय अध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में जनपदीय एंव ब्लाक पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम पुरानी पेंशन बहाली सहित सात सूत्रीय मांगों से सम्बंधित ज्ञापन विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंसू को सौंपते हुए उनसे शिक्षकों की लंबित मांगों को माननीय मुख्यमंत्री के सामने उठाने और उनसे इसपर सहानुभूति पूर्वक समस्याओं के निस्तारण पर विचार कर करने का निवेदन किया। विधायक प्रिंसू ने कहा कि वो शिक्षकों की समस्याओं को लेकर हमेशा संवेदनशील रहते हैं। और जल्द ही मुख्यमंत्री से मिलकर इस पर विस्तृत चर्चा करूंगा। वहीं सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि क्योंकि वो खुद भी शिक्षक हैं इसलिए शिक्षकों की समस्याओं से अच्छी तरह परिचित भी हूँ और उसके निस्तारण को लेकर गम्भीरता पूर्वक उचित मंच पर हमेशा उठाती रहती हूं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ (सम्बद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ) ने पूरे प्रदेश में विगत चार अक्टूबर को पूरे प्रदेश में परिषदीय शिक्षकों की वर्षों लंबित प्रमुख सात सूत्रीय मांगों के संदर्भ में जिला प्रशासन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा था। लेकिन प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षकों की मांगों के प्रति गम्भीरता पूर्वक विचार न करने कारण संगठन आंदोलन के लिए बाध्य हुआ है, जिसके क्रम में बाइस अक्टूबर से चल रहे प्रदेश व्यापी द्वितीय चरण के आंदोलन का आज अंतिम दिन है जिसके

तहत माननीय सांसद सीमा द्विवेदी जी व माननीय विधायक प्रिंसू जी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को शिक्षकों की सात सूत्रीय मांगों के निस्तारण के संदर्भ ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस अवसर पर प्रांतीय संगठन मंत्री/जिलाध्यक्ष ने शिक्षकों वर्षों से लंबित प्रमुख मांगों पुरानी पेंशन बहाली, एक दिसंबर 2008 के बाद पदोन्नत प्राथमिक के प्रधानाध्यापक एवं जूनियर के सहायक को 17140 एवं जूनियर के प्रधानाध्यापक को 18150 न्यूनतम वेतनमान दिया जाना, शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा मुहैया कराना, मृतक आश्रित परिवार वालों को योग्यता के अनुसार नियुक्ति, शिक्षा मित्र एवं अनुदेशक साथियों को शिक्षक पद पर समायोजन, अंतर्जनपदीय स्थानांतरण एवं जिले के अंदर स्थानांतरण प्रक्रिया को जल्दी प्रारंभ किया जाना, वेतन विसंगतियों को दूर किए जाने आदि पर सांसद एंव विधायक से विस्तृत चर्चा की। जिलामंत्री सतीश पाठक ने बताया कि बाइस अक्टूबर से आंदोलन के द्वितीय चरण के प्रारंभ से आज सत्ताईस अक्टूबर के अंतिम दिन ज्ञापन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समस्त पदाधिकारियों एंव संघनिष्ठ साथियों का हार्दिक आभार। इस जनपदीय संगठन मंत्री अश्वनी कुमार सिंह संयुक्त मंत्री शैलेंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष अतुल प्रताप सिंह, संगठन मंत्री संतोष सिंह बघेल,मड़ियाहूं अध्यक्ष विशाल सिंह, साकेत सिंह आदि उपस्थित रहे।

जनपद में बीमारी को सीमित करने के लिए किया जा रहा विभिन्न कार्य : जिला मलेलिया अधिकारी

जौनपुर सू.वि. : जिला मलेलिया अधिकारी ने अवगत कराया है कि वर्तमान समय मच्छरजनित बीमारियों यथा डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, जे0ई0 इत्यादि एवं जलजनित बीमारियों जैसे गैस्ट्रो, पीलिया, टाइफाइड, स्क्रब टाइफस के संचरण का अनुकूल वातावरणीय समय है। बीमारी के प्रसार से पूर्व अवश्यक है कि उससे सम्बन्धित गतिविधियों सम्पन्न करायी जाएं। बीमारी को सीमित करने के लिए विभिन्न कार्य किया जा रहा है, जिसमें डेंगू नियन्त्रण हेतु जनपद जौनपुर में स्थापित डेंगू वार्ड-01 जिला अस्पताल (20 बेड), 21 प्रत्येक सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 (10 बेड), फीवर हेल्प डेस्क स्थापित-01 जिला अस्पताल, 21 सी0एच0सी0/पी0एच0सी0, घर-घर सर्वे हेतु गठित कुल टीमें-3182 (ग्रामीण), 21 (नगरीय), रैपिड रिस्पांस टीम-21 (ग्रामीण), प्रत्येक सी0एच0सी0/पी0एच0सी0 पर 01, 01 (नगरीय), कुल पैथोलाजी-23 है। डेंगू रोगियों के सापेक्ष करायी गयी निरोधात्मक कार्यवाही का विवरण - कुल धनात्मक 99 रोगियों के सापेक्ष 90 रोगियों के यहाँ निरोधात्मक कार्यवाही पूर्व के कार्यदिवसों में कराया जा चुका है। 03 धनात्मक रोगियों, बदलापुर ब्लॉक के कस्बा के 02 रोगी तथा ग्राम सरोखनपुर का 01 रोगी के यहाँ आज रैपिड रिस्पांस टीम कार्यवाही के लिए गयी है। निरोधात्मक कार्यवाही के अन्तर्गत टीम द्वारा कुल 180 लोगों का मौके पर डेंगू किट से जॉच किया गया, सभी निगेटिव पाये गये। किट द्वारा 448 लोगों का मलेरिया जॉच किया गया, सभी निगेटिव पाये गये। रैपिड रिस्पांस टीम द्वारा 1872 घरों के 7531 पानी के कन्टेनरों का सर्वे किया गया। टीम ने 889 प्रजनन स्रोतों का विनष्टीकरण कराया। रैपिड रिस्पांस टीम ने 1146 घरों के 4578 कमरों में पाइरेथ्रम 2 प्रतिशत का छिडकाव कराया एवं 1186 स्थलों (नालियों, गड्ढों) में लार्वानाशी का छिडकाव किया गया।

चुनावी पाठशाला में निर्वाचन साक्षरता के प्रति लोग हुए जागरूक

जौनपुर सू.वि. : निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में जनपद में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जनपद में जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है, जिसके क्रम में विकास खण्ड शाहगंज के बीआरसी पर चुनावी पाठशाला आयोजित की गई, जिसमें सभी प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया कि समस्त प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में चुनाव पाठशाला का गठन व क्रियान्वयन करते हुए मतदाताओं को वोटर बनने हेतु जागरूक करें। कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी शाहगंज राजीव कुमार यादव ने बताया कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब प्रत्येक नागरिक अपने मताधिकार का सदुपयोग करेगा। इसलिए प्रत्येक युवा जिनकी आयु 18 वर्ष से ऊपर है, वें अपना या परिवार के सदस्य को वोटर बनवाए। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र में बिना भय, लालच, भेदभाव के अपने मत का सदुपयोग करें ताकि लोकतंत्र मजबूत हो सके। उन्होंने सभी प्रधानाध्यापक व अध्यापकों से भी अनुरोध किया कि वे अपने विद्यालय में चुनावी पाठशाला का गठन कर बच्चों व अभिभावकों को निर्वाचन साक्षरता के प्रति जागरूक करें। जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने उपस्थित लोगों को एन वी एस पी व वोटर पोर्टल के प्रति जागरूक करते हुए वोटर हेल्पलाइन ऐप डाउनलोड कराया। जिससे लोग निर्वाचन से सम्बंधित समस्त जानकारी आन लाइन प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर धर्मेन्द्र सिंह, प्रशान्त मिश्र, अशोक मौर्य, वीरेन्द्र यादव, सुभाष यादव, अशोक सोनकर, वीरेन्द्र कुमार राज बहादुर, बदरुलजमा, राम शकल यादव, लालमनि, रंजना राना, रेनू गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर ने कराया छात्र-छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण

आर एल पाण्डेय लखनऊ। श्री बाबूराम त्रिवेदी सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर, अल्लीपुर, हरदोई के छात्र व छात्राओं ने शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत वृंदावन का भ्रमण किया ।सभी अपने पदवेश को

वाहन में ही उतारकर नंगे पैर ब्रजरज पर चल दिये। प्रधानाचार्य सुश्री आकांक्षा शुक्ला ने बताया कि हम लोगों ने सर्वप्रथम यमुना नदी के तट पर स्थित भगवान श्री कृष्ण द्वारा बुराई के प्रतीक कालियानाग के दमन करने वाले स्थान कालीदीह को देखा। और कहा कि बच्चों उम्र किसी अच्छे कार्य में बाधक नहीं है कालिया नाग रूपी बुराई को कन्हैया ने अपने बाल रूप में ही समाप्त कर दिया था । शिक्षिका सुश्री गरिमा मिश्रा ने बच्चों को कहा कि वृंदावन में प्रेम और प्रकृति का सारे विश्व को संदेश देने वाले निधिवन में ललिता सरोवर, हरिदास जी महाराज द्वारा बांके बिहारी और दाऊजी मूर्ति के प्राकट्य स्थल , राधा रानी मंदिर , रास मंडल , मुरली चोरी स्थल आदि और हरिदास जी महाराज के समाधि स्थल की विस्तृत जानकारी देते हुए दर्शन कराएं । इस निधिवन में वन तुलसी की शाखाओं का आपस में आलिंगन और आज भी रात्रि में किसी पशु पक्षी का इस वन में न रहना आश्चर्य और विश्वास का प्रतीक है। अध्यापक सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया कि सनातन धर्म संपूर्ण भारत की वरन् विश्व के अद्यतन काल से भक्ति का सर्वश्रेष्ठ मानक रहा है उदाहरण के लिए सफेद संगमरमर से निर्मित यह अंग्रेजों द्वारा निर्मित इस्कॉन मंदिर के भावनात्मक संकीर्तन से सभी को भक्ति रस से सराबोर करता है ।"वसुधैव कुटुंबकम" की विचारधारा अनुपम उदाहरण है इस्कॉन मंदिर में लगभग सभी सेवादार विदेशों से हैं। शिक्षक शिवम शुक्ला ने कहा वृंदावन के आराध्य बांके बिहारी मंदिर में जीवान्त दर्शन कर सभी अपने जीवन को धन्य मानकर आप संतोष का अनुभव करने लगे । अध्यापिका सुश्री सुनीता जी ने कहा कि वर्तमान में आध्यात्मिकता और आधुनिकता के सामंजस्य का अनुपम उदाहरण सांयकालीन इंद्रधनुष रंगों की रोशनी से तथा अपने आकर्षण से सभी को सम्मोहित करने वाले पूज्य संत श्री कृपालु जी महाराज द्वारा स्थापित प्रेम मंदिर की भव्यता और दिव्यता ने सभी को वशीभूत कर ही लिया । प्रेम मंदिर श्री कृष्ण के जीवन लीलाओं पर आधारित मनोरम झांकियों ने सभी के साथ तन्मयता से आनंद विभोर कर दिया।कुंजगली, राधाबल्लभ मंदिर आदि विभिन्न ज्ञानवर्धक और आत्मसात करने योग्य स्थानों का भ्रमण प्रियंका शोभा ,बबीता ,सुमन ,प्रतिक्षा, रंजना, प्रवीण आदि गुरुजनों के सानिध्य में किया। सुगंधा, श्याम पाल ,अमन, स्नेह लता आदि सभी विद्यार्थियों ने वृंदावन में अपने ज्ञान अर्जन को भविष्य के लिए जीवन उपयोगी बताया।

सौ सीटों पर लड़ेंगे राजा भैया : कहा- गठबंधन के चुने विकल्प

अयोध्या संवाददाता डॉ. अजय कुमार तिवारी : उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव को लेकर समीकरण साधने और यात्राओं के साथ ही गठबंधन का दौर भी शुरू हो गया है। अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव की यात्राओं के बाद अब जनसत्ता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया भी जनसेवा संकल्प यात्रा पर निकल गए हैं। राजा भैया की ये तीसरी जनसेवा संकल्प यात्रा है, जिसकी शुरुआत मंगलवार को लखनऊ से हुई। राजा भैया की ये यात्रा समाजवादी पार्टी (सपा) के गढ़ इटावा, मैनपुरी और आगरा होते हुए मथुरा तक जाएगी. राजा भैया ने जनसेवा संकल्प यात्रा की शुरुआत के बाद आजतक से

यात्रा से लेकर गठबंधन तक, हर पहलू पर बात की राजा भैया ने साफ किया कि उनकी पार्टी ने अभी सौ सीटें चिह्नित की हैं जहां उम्मीदवार उतारे जाएंगे। उन्होंने साथ ही ये भी जोड़ा कि ये संख्या बढ़ भी सकती है। राजा भैया ने कहा कि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों पर भी लोगों की इच्छा है कि हमारी पार्टी वहां भी उम्मीदवार उतारे जो अच्छी बात है। राजा भैया ने अपनी चार जनसेवा संकल्प यात्रा में से पहली यात्रा की शुरुआत अयोध्या से की थी. इस यात्रा की शुरुआत अयोध्या से ही करने से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम आराध्य हैं। आजकल बहुत लोग श्रीराम के दर्शन के लिए अयोध्या जा रहे हैं।अन्य दलों के लोग भी प्रभु श्रीराम की शरण में जा रहे हैं, ये अच्छी बात है. राजा भैया ने जनसत्ता दल को अन्य दलों से अलग बताते हुए कहा कि कई बार विधायक रहा हूं। नया दल इसलिए नहीं बनाया कि पार्टी में उपेक्षा हो रही थी। नया दल इसलिए बनाया क्योंकि लोगों की मांग थी. विधानसभा का सदस्य रहते पिछले 28 साल में बहुत बड़े लोगों के साथ काम करने का मौका मिला. मेरे लिए सौभाग्य है कि कल्याण सिंह, रामप्रकाशजी ,राजनाथजी, नेताजी, अखिलेशजी सबसे हमारे अच्छे संबंध हैं। गठबंधन के सवाल पर राजा भैया ने साफ किया कि बीजेपी या किसी भी दल के साथ गठबंधन के लिए बात नहीं हुई है लेकिन हमारे सबके लिए दरवाजे खुले हैं। आगे देखा जाएगा। उन्होंने शिवपाल यादव को लेकर सवाल पर कुछ कहने से इनकार किया और कहा कि उनका (शिवपाल यादव का) अलग सम्मान है। राजा भैया ने एक सवाल पर कहा कि ठाकुर लॉबी मजबूत मानी जाती है. चार लाख में मात्र 10 हजार ठाकुर हैं. हमें हर वर्ग से सम्मान मिल रहा है।

मेगा ट्रेड फेयर में ग्राहकों को दिया जा रहा दीवाली ऑफर

आर एल पाण्डेय लखनऊ। इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर लखनऊ की तिथियां 22 से 31 अक्टूबर, 2021 स्थान मोती महल लॉन, लखनऊ समय सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक आयोजन समिति की समर्पित और बेहद सक्षम टीम ने अब लखनऊ में दूसरी बार इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का आयोजन किया है। आईआईएमटीएफ भारत में एक प्रमुख प्रदर्शनी है। बंगाल चौंबर और जीएस मार्केटिंग दोनों ने इस मेले का आयोजन द प्लानर्स के सहयोग से किया है, खासकर लखनऊ के नागरिकों के लिए। जब यह आप पर निर्भर है कि नागरिक इस मेले में आए और इसे देखें और इसे एक बड़ी सफलता बनाएं यह प्रदर्शनी जी एस मार्केटिंग एसोसिएट्स की 230वीं प्रदर्शनी है। विविध उत्पादों के प्रदर्शन का आनंद लें. भारत और विदेशों की विभिन्न कंपनियों के साथ व्यापार सौदे करें और इस अनूठे मेले का पूरा अनुभव ले। हमें यकीन है कि आप लंबे समय तक इस आयोजन में अपनी यात्रा का संजनि के लिए बाध्य होंगे। लॉकडाउन और इसके परिणामस्वरूप आर्थिक मंदी के बाद भारत अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है। दूसरे आईआईएमटीएफ का आयोजन इस आर्थिक पुनरुत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लखनऊ में आयोजित अपने पिछले IMTF की सफलता से आयोजक अभिभूत थे। इसने उन्हें इस गतिशील शहर में दूसरा IMTF आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया है। कोविड नियमों का पालन कोविड-19 महामारी के कारण मेले के आयोजन में सावधानी बरती गई है। सरकारी प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है जैसे सभी के लिए मास्क पर जोर देना सुविधाजनक स्थानों पर सैनिटाइजर के लिए पर्याप्त प्रावधान करना, सामाजिक दूरी बनाए रखना, आदि। बंगाल चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री भारत में अपनी तरह सबसे पुराना और सबसे सम्मानित संस्थान है। चौंबर की उत्पत्ति 1833 से हुई है। पिछले 188 वर्षों से चौंबर ने भारत में वाणिज्य और उद्योग के विकास को आगे बढ़ाते हुए एक संचालक के रूप में अग्रणी भूमिका निभाई है। चौंबर एक शक्तिशाली प्रवर्तक है जो भारत में अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पैरवी करता है। जीएस मार्केटिंग एसोसिएट्स 27 वर्षों के समृद्ध अनुभव के साथ भारत में व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों का एक प्रमुख और प्रसिद्ध आयोजक है। दरअसल, मौजूदा आईआईएमटीएफ उनका 230वां मेला है। भारत और विदेशों के 25000 से अधिक अद्वितीय उत्पादों के प्रदर्शन के साथ इन मेलों का आयोजन एक भव्य प्रदर्शनी माहौल में किया जाता है। आयोजक को निम्नलिखित श्रेणियों में प्रदर्शनी उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। बिग शो इ) ग्रेड शॉ बेस्ट डेब्यू विशाखापत्तनम के लिए इंडस्ट्री को लीडिंग लेडी मार्केटिंग इनिशिएटिव्स में लोडर 1) लीडर इन ग्रीन इनिशिएटिव लीडिंग शो कंज्यूमर) बेस्ट डेब्यू (ग्रेटर नोएडा के लिए) शीर्ष प्रदर्शक आगतुक मूल्य) अग्रणी शाफिटनस 82६ प्रदर्शनी के लिए टॉप 8 सिटी शो भुवनेश्वर के लिए अग्रणी उपभोक्ता और हाउस वेयर शा) FITEXPO के आयोजन के लिए फिटनेस और खेल श्रेणी में अग्रणी शा पुरस्कार द लीडिंग शो 2019 में कोलकाता में प्ब्ळ्ब् के आयोजन के लिए उपभोक्ता और हाउसवयर श्रेणी में 2019 में अहमदाबाद में । IMTF के आयोजन के लिए सर्वश्रेष्ठ डेब्यू शो लखनऊ में IINTF में कुल मिलाकर 10 देश और 12 राज्य भाग लग दशा में शामिल है। अफगानिस्तान, मलेशिया, ईरान, थाईलैंड बांग्लादेश दुबई लेबनान, ट्यूनीशिया, सिंगापुर और भारत लखनऊ में यह मंगा इवेंट निस्संदेह व्यापार के जबरदस्त अवसर प्रदान करता है। यह संयुक्त उद्यमी और क्रेता विक्रेता बैठक के अवसर सहित अन्य व्यावसायिक संभावनाओं के लिए एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। आइए और इसे ऐतिहासिक व्यापार मेले में आए और इसे एक भव्य सफलता बनाए।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल कर अपराधिक षडयंत्र पूर्वक तनख्वाह लेने का मामला हुआ उजागीर

अयोध्या(संवाददाता) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या शहर के रीडगंज में स्थित फार्बस इंटरमीडिएट कॉलेज का है जिसमें गलत तरीके से नियुक्त अध्यापिका ने करोड़ों रुपए का वेतन ले चुकी हैं ,पैरवी कर रहे प्रार्थी इकबाल खान के अधिवक्ता विवेक चंद सोनी ने बताया की फार्बस इंटरमीडिएट कॉलेज में कार्यरत अध्यापिका आफरीन फातिमा की दो जन्म तिथियां गलत तरीके से प्रमाण पत्र में उपयोग की गई हैं जो अपराधिक साजिश है, अपराधिक कृत्य शिक्षिका आफरीन फातिमा जो अपराधिक षडयंत्र पूर्वक कक्षा 9 सार्वजनिक इंटर कॉलेज रनापुर फैजाबाद से उत्तीर्ण कर फर्जी कूट रचित तथा टी सी तैयार कर उसका उपयोग अपने भाई सैयद सुल्तान अशरफ के संरक्षक में मेथोडिस्ट इंटर कॉलेज फैजाबाद में कक्षा 10 विज्ञान वर्ग में वर्ष 1996 बिना साल गवाएं कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर प्रवेश प्राप्त कर लाभ प्राप्त किया जिससे वह आगे की शिक्षा पूरी की। उसने इसी प्रकार 1996 में उत्तीर्ण किए जाने का कथन स्वयं उसके हस्ताक्षर युक्त संलग्न था जिसका संलग्न ब्यान 9६1 ६ 2012 से भी प्रमाणित है।जिसका उसने अनुचित लाभ प्राप्त किया यहां तक कि अपराधी कृतियों में 1994-95 में कक्षा 9 उत्तीर्ण नहीं किया उस विद्यालय में केवल कला वर्ग से ही मान्यता प्राप्त है उसने एक ऐसे विद्यालय से स्वयं को कक्षा 9 विज्ञान वर्ग से उत्तीर्ण दर्शाती टीसी तैयार की जो विज्ञान वर्ग से मान्यता प्राप्त था ही नहीं इसी संस्करण में एन०वी० हायर सेकेंडरी स्कूल मधुपुर जिला अंबेडकर नगर से आफरीन फातिमा द्वारा अपने भाई सैयद सुल्तान अशरफ

से साजिश पूर्वक तैयार कर प्रस्तुत की गई जिसमें अंतिम विद्यालय कनौसा कन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज फैजाबाद को दर्शाया गया जबकि उक्त विद्यालय के प्रधानाचार्य राम राम श्लोक शुक्ल ने बताया कि आफरीन फातिमा के नाम की कोई भी छात्रा का कोई भी अभिलेख हमारे यहां उपलब्ध नहीं है इस प्रकार आफरीन फातिमा द्वारा अपने भाई सैयद सुल्तान अशरफ से आपसी मिलीभगत तथा अपराधिक षडयंत्र पूर्वक एक और फर्जी टीसी तैयार की गई जिसमें एक सुनियोजित तरीके से एक राय होकर कूट रचित दस्तावेजों को तैयार करके संबंधित विद्यालयों की मुहर बनाने संबंधित प्रधानाचार्य के दशक बनाने तैयार फर्जी दस्तावेज का अपने लाभ में उपयोग कियाइस प्रकार गलत तरीके से आफरीन फातिमा ने करोड़ों रुपए का तनख्वाह विद्यालय से अध्यापिका पद पर रहकर हड़प चुकी हैं। इस अपराधिक मामले को प्रशासन में सूचना दी गई फिर भी अब तक प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

एक अखाड़ा परिषद में दो अध्यक्षों ने संभाला काम, उलझी सियासत

प्रयागराज ब्यूरो : संन्यासी और वैरागी परंपरा के संतों के बीच वर्चस्व की लड़ाई में दो फाड़ हुए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के दोनों अध्यक्षों ने धर्म-संस्कृति की रक्षा के लिए काम शुरू कर दिया है। दोनों कमेटियों ने अपनी-अपनी वैधता और बहुमत का दावा किया है। अब कुंभ, अर्ध कुंभ और महाकुंभ में भूमि आवंटन से लेकर संतों-भक्तों की सुविधाओं के लिए दोनों धड़ों की ओर से अलग-अलग दावे पेश किए जाएंगे। हरिद्वार में एक धड़े के अलग होकर अपनी महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्र पुरी के नेतृत्व में परिषद की कार्यकारिणी गठित करने के बाद प्रयागराज में दोबारा चुनाव कराए जाने से वर्चस्व की जंग तेज हो गई है। निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्रपुरी को अलग अध्यक्ष बनाए जाने से अखाड़ा परिषद की सियासत उलझ गई है। अब सवाल खड़े होने लगे हैं कि आखिर कुंभ किस कमेटी की अगुवाई में होगा। फिलहाल दोनों धड़े के अध्यक्षों ने जिम्मेदारी संभाल ली है। मंगलवार को एक दिन पहले अध्यक्ष चुने गए महंत रवींद्रपुरी और महामंत्री हरि गिरि ने जहां संगम पर कुंभ-2025 की सफलता के लिए गंगा पूजन, आरती कर अलग संदेश दिया, वहीं हरिद्वार में भी सियासी दांव-पेच के तहत दूसरे धड़े की एकजुटता प्रदर्शित की जाती रही। ऐसे में अखिल भारतीय अखाड़ा के संतों के बीच छिड़ी रार कम होने का नाम नहीं ले रही है। परिषद के दोनों ही गुट अपने पक्ष में बहुमत होने का दावा करते हुए अपने को असली बताने में जुटे हुए हैं। महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्रपुरी के नेतृत्व वाली अखाड़ा परिषद अपने साथ सात अखाड़ों का बहुमत होने का दावा कर रही है। इसमें उनके साथ महानिर्वाणी अखाड़ा, अटल अखाड़ा, बड़ा उदासीन, निर्मल व बैरागियों के तीन अखाड़े शामिल हैं। जबकि, निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्रपुरी महाराज के नेतृत्व वाली अखाड़ा परिषद भी अपने साथ आठ अखाड़ों के बहुमत का दावा किया है। निरंजनी के सचिव महंत रवींद्र पुरी जिस धड़े के अध्यक्ष बने हैं, उनके मुताबिक उनके साथ जूना, अग्नि, आवाहन आनंद, निरंजनी, निर्मल, नया उदासीन व बैरागी का निर्मोही अखाड़ा उनके साथ है। इस हिसाब से उनके पास बहुमत का आंकड़ा आठ हो जाता है। ऐसे में स्थिति असहज हो गई है। अखाड़ा परिषद के असली अध्यक्ष महानिर्वाणी के महंत रवींद्र पुरी: देवेंद्र शास्त्री। दारागंज के निरंजनी अखाड़े में हुए अखाड़ा परिषद के चुनाव में केवल छह अखाड़ों ने ही हिस्सा लिया है। प्रयागराज में हुई बैठक में न तो निर्मल अखाड़े के रेशम सिंह को मतदान करने का अधिकार था और न ही बैरागी निर्मोही अखाड़े के मदन मोहन दास को। ऐसे में संख्या बल छह ही रह जाता है। यह कहना है निर्मल अखाड़े के सचिव महंत देवेंद्र सिंह शास्त्री का। उनका कहना है कि महानिर्वाणी के सचिव महंत रवींद्र पुरी की अखाड़ा परिषद के असली अध्यक्ष हैं। पूर्व महामंत्री हरि गिरि की ओर से प्रयागराज में बुलाई गई बैठक में फर्जी संतों के आधार पर बहुमत का झूठा दावा किया गया है। नियम के विपरीत एजेंडा और बिना अध्यक्ष की मौजूदगी के बैठक में छह अखाड़ों की ओर से किया गया निरंजनी के सचिव रवींद्र पुरी का अध्यक्ष के पद पर मनोनयन अवैधानिक है। हरिद्वार में सात अखाड़ों ने बहुमत के आधार पर मुझे अध्यक्ष चुना है। मैंने संन्यासी, उदासी, बैरागी और वैष्णव सभी चारों परंपराओं के संतों को मिलाकर कार्यकारिणी गठित की है। इसमें किसी तरह का मतभेद नहीं है। मेरे नेतृत्व वाली परिषद को ही कुंभ कराने का अधिकार होगा। महंत रवींद्र पुरी, महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव व अध्यक्ष अखाड़ा परिषद।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के गठन को लेकर अयोध्या के संतो ने जताया विरोध–महंत गौरी शंकर दास

अयोध्या(संवाददाता) सुरेंद्र कुमार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के नए गठन को लेकर विवाद हो गया है। अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता महंत गौरी शंकर दास ने इस गठन को फर्जी बताते हुए कहा है कि 7 अखाड़ा इस गठन का विरोध कर रहे। इसमें सिर्फ सन्यासियों को ही शामिल किया गया है। जबकि सन्यासी व वैष्णव अखाड़ों को मिलाकर कुल 13 लोग खड़े हैं। जो अखाड़ा परिषद अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी के सदस्य माने जाते हैं।अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे महंत नरेंद्र गिरी की मृत्यु के बाद 25 अक्टूबर को बाघमभरी गद्दी मठ में हुए बैठक में सन्यासी निरंजनी अखाड़े के महंत रविन्द्रपुरी व उनकी कार्यकारणी का गठन किया गया था। वहीं दूसरी ओर इसके पूर्व 20 अक्टूबर को वैष्णवों महानिर्वाणी अखाड़ा के अध्यक्ष रविन्द्र पूरी को अध्यक्ष चुना गया था। जिसमें अखाड़ा परिषद के कार्यकरणी का भी चयन किया गया। जिसमे निर्वाणी, निर्मोही, दिगंबर, श्री पंच महानिर्वाणी, श्री पंच अटल, बड़ा उदासीन एवं निर्मल अखाड़ा के प्रमुख संत शामिल हुए थे। इस चुनाव में निर्मोही अखाड़ा के महंत राजेंद्र और निर्मल अखाड़ा के श्री महंत ज्ञानदेव सिंह तथा सचिव जसविंदर सिंह शास्त्री का भी समर्थन हासिल हुआ था।यह भी बात तब शुरू हुआ जब बाघमभरी गद्दी मठ पर सन्यासियों की बैठक हो गई ।अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता महंत गौरीशंकर दास का कहना है कि 25 अक्टूबर प्रयागराज में हुए तथा कथित अखाड़ा परिषद फर्जी व भ्रमित करने वाला है । जिसमे निर्मोही व निर्मल अखाड़ा के समर्थन की बात

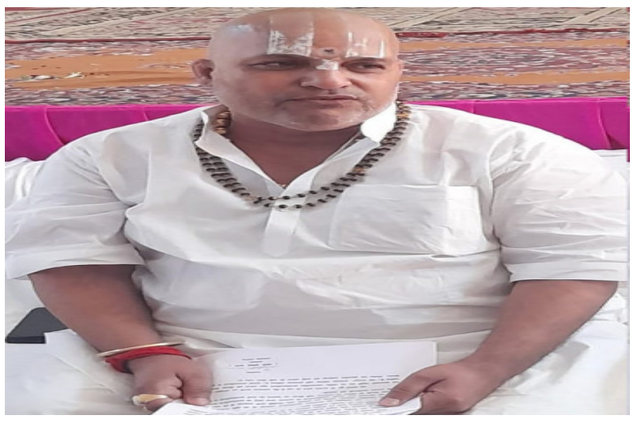

बताई गई जिसमें दावा किया गया कि 8 अखाड़ा उनके पक्ष में है । रविन्द्र पूरी दो है एक महानिर्वाणी अखाड़ा व दूसरे निरंजनी अखाड़े से है । 8 अखाड़ों का समर्थन झूठा है निर्मोही अखाड़े के संत राजेंद्र दास हैं उन्होंने अपना समर्थन हरिद्वार में गठित अखाड़ा परिषद को दिया है । वर्तमान में वह अखाड़ा परिषद के महामंत्री भी हैं । निर्मल अखाड़ा के अध्यक्ष श्री महंत ज्ञानदेव सिंह, जसविंदर सिंह शास्त्री ने 20 अक्टूबर हरिद्वार की बैठक में समर्थन दिया है। जो इस में कोषाध्यक्ष भी हैं। अखाड़ा परिषद का गठन हमेशा बहुमत के आधार पर होता रहा है। इस बार भी 20 अक्टूबर हरिद्वार में बहुमत के आधार पर यह गठन हुआ है। जिसमें सात अखाड़े एक साथ खड़े हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत चुनाव किया गया है। रविंद्र पुरी जो महानिर्वाणी अखाड़ा के हैं वहीं अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष हैं और उन्हीं की कार्यकारिणी सही है। जो तथाकथित रूप से प्रयागराज के बाघमभरी गद्दी मठ में नई कार्यकारिणी बनाई गई वह फर्जी है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी की जा रही है। 20 अक्टूबर हरिद्वार में नवगठित अखाड़ा परिषद में के गठन में चारों संप्रदाय का प्रतिनिधित्व है। जिसमे बैरागी, सन्यासी, उदासी, वा निर्मल चारों संप्रदाय का प्रतिनिधि है।

डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने लॉन्च किया अपना पहला एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट

अयोध्या संवाददाता डॉ. अजय कुमार तिवारी : डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने मंगलवार को अयोध्या के गुदरी बाजार चौक के अंगूरीबाग में अपना पहला एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट (ईबीओ) लॉन्च किया। भारत में होजियरी ब्रांडों में शीर्ष रैंकिंग वाला डॉलर हमेशा अपने सेगमेंट में फैशन में सर्वोत्कृष्ट रहा है। स्टोर का उद्घाटन डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष दृ मार्केटिंग, श्री अंकित गुप्ता ने किया। 450 वर्ग फुट का स्टोर, जो सभी डॉलर उत्पादों के लिए वन–स्टॉप डेस्टिनेशन है, पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की होजियरी की जरूरतों को पूरा करेगा। नए ब्रांड आर्किटेक्चर और विजन के साथ, स्टोर में ब्रीफ, वेस्ट, लेगिंग, सॉक्स और एथलीजर जैसे उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला ब्रांड – बिगबॉस, मिस्सी, एनएक्सटी और एथलीजर के तहत होगी। कंपनी की विभिन्न श्रेणियां हैं जो युवाओं के अनुकूल हैं और बाजार में सकारात्मक बदलाव लाने की इच्छा रखती हैं। यह स्टोर एक प्रोटोटाइप स्टोर के रूप में भी काम करेगा, जिसका लेआउट पूरे देश में दोहराया जाएगा। ''डॉलर ने पिछले कुछ वर्षों में बढ़ती मांग देखी है और उत्पाद खुदरा बाजार और ऑनलाइन स्पेस दोनों में उपलब्ध हैं। लंबे समय से एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट (ईबीओ) खोलने की हमारी इच्छा रही है और आज जब हम अयोध्या में अपना पहला प्रतिष्ठित ईबीओ खोल रहे हैं, तो यह देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। यहां डॉलर उत्पादों की एक विस्तृत श्रेणी से चुनाव की सहूलियत होगी। 'वियर द चेंज' के नए विजन के साथ, हमने हाल के दिनों में अपने उत्पादों की प्रीमियम रेंज पेश की है जो इस स्टोर में भी उपलब्ध होगी। हमने इस वित्तीय वर्ष में देश भर में 10 ईबीओ खोलने के लिए 1.5 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं", श्री विनोद कुमार गुप्ता, प्रबंध निदेशक, डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा। उन्होंने कहा कि डालर इंडस्ट्रीज की यह शुरू से आकांक्षा रही है कि श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में कंपनी का एक्सक्लूसिव शोरूम खुले। आज प्रभु राम जी की कृपा से यह सपना पूरा हुआ है। अंकित गुप्ता, अध्यक्ष – मार्केटिंग, डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा " नया लॉन्च किया गया स्टोर हमारी एक और नयी उपलब्धि है। पारंपरिक रूप से एक पुरुष प्रधान ब्रांड के रूप में पहचाने जाने पर, हमारा नया उद्यम हमें हमारे पुराने ग्राहकों के व्यापक आधार तक पहुंचने में मदद करेगा क्योंकि यह डॉलर के सर्वश्रेष्ठ ब्रांडों का समावेश है। स्टोर एक संपूर्ण पारिवारिक शॉप है जो पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए इनरवियर के साथ–साथ आउटरवियर की पेशकश करेगा। हम अपने विविध उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे जिनमें फैशनेबल एथलीजर, सर्दियों के परिधानों से लेकर आवश्यक जरूरतों तक शामिल हैं।'' वर्तमान समय में, स्थिरता समय की आवश्यकता है, जहां डॉलर अपने नए ईबीओ के साथ क्षेत्र के उपभोक्ताओं को आराम और विलासिता के लिए डिजाइन किए गए विभिन्न उत्पादों को खरीदने का आनंद लेने में मदद करेगा।

28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक चलेगा दीपोत्सव मेला

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) सीएम योगी के दिशा निर्देश पर राम नगरी अयोध्या में दीपोत्सव से पहले दीपोत्सव मेले का आयोजन हो रहा है।जो 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक चलेगा।इस संबंध में अयोध्या नगर निगम के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय व अपर नगर

आयुक्त सच्चिदानंद ने संयुक्त रुप से बताया कि दीपोत्सव मेला शहर के जीआईसी ग्राउंड पर लगेगा।इसमें पटरी दुकानदार भी दीपोत्सव में अपनी दुकाने लगायेगे।वही कुम्हार भी अपना स्टाल लगायेगे।जबकि दिवाली संबंधित सामानों के साथ साथ और भी कई विभागों के स्टाल लगेगे।इस मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम,मैजिक शो,नुक्कड़ नाटक,कठपुतली स्थानीय लोक गायन समेत कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।वही मेले में निःशुल्क प्रवेश होगा।इस मौके पर उन्होंने बताया कि अयोध्या की गलियों को रिपेयर करने के लिए शासन ने 34 करोड़ रुपये नगर निगम विस्तारित 41 गांव के लिये 48 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली।उनके मुताबिक फैजाबाद जोन के 45 वार्डों के लिए शासन को 74 करोड का डीपीआर भेजा गया है।

मिट्टी की कला पर भारी पड़ रहा है मत्स्य पालन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) प्राचीन काल से मिट्टी कला विश्व प्रसिद्ध है।वहीं दूसरी तरफ मत्स्य पालन का कार्य भी सदियों से चलता था ।वर्तमान समय में चल रहा है और भविष्य काल में चलता रहेगा।सच्चाई के धरातल पर देखा जाए तो मिट्टी कला के सहारे हजारों परिवारों की जीविका चलती थी । जिस पर काफी समय से ग्रहण लग चुका है। मजेदार बात यह है कि मत्स्य पालन का व्यवसाय मिट्टी कला पर भारी पड़ रहा है।दीपावली का पर्व करीब आ चुका है।दीपावली के पर्व पर मिट्टी के बर्तन की खरीददारी होती थी किन्तु आधुनिकता की चकाचौंध के चलते मिट्टी के बर्तन खरीदने की परम्परा अब समाप्त होती चली जा रही है। दीपावली के समय बच्चे मिट्टी के खिलौने खरीदते थे। खास बात यह है कि दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीप जलाए जाते हैं। मजेदार बात यह है कि विगत कई वर्षों से मिट्टी के बर्तन के दामों में भारी बढ़ोत्तरी के चलते दीपावली के पर्व पर अब मोमबत्ती जलाने की परम्परा बढ़ती चली जा रही है ।सच्चाई देखा जाए तो मिट्टी का बर्तन बनाने के लिए जो मिट्टी उपयोग में लाई जाती है। चिकनी और दोमट मिट्टी तथा काली मिट्टी से मिट्टी के बर्तन बनाए जाते हैं । लगभग तीन चार दशक पहले मिट्टी के बर्तन का कारोबार फल फूल रहा था। जबसे मत्स्य पालन के लिए बड़े पैमाने पर तालाबों का पट्टा दिया जाने लगा तभी से मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए मिट्टी नहीं मिल पाती है ।जिसके परिणाम स्वरूप मिट्टी कला में भारी गिरावट दर्ज हो गई है ।कुम्हार और कसगर परिवारों की जीविका का मुख्य साधन मिट्टी के बर्तन बनाना और बेचना था। जब से तालाबों का पट्टा मत्स्य पालन के लिए तेजी के साथ शुरू किया गया। तबसे मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए उपयोगी मिट्टी नहीं मिल पाती है। पशुपालन के कार्य में भारी गिरावट के चलते मिट्टी बर्तन पकाने के लिए ईंधन की समस्या आकर खड़ी हो गई। कच्ची मिट्टी से बने बर्तन को पकाने के लिए गोबर से बने कंडे का उपयोग किया जाता है। कंडे की आग से मिट्टी का बर्तन बहुत अच्छी तरह से पक जाता है। कूढा सादात निवासी प्रेम और लल्लू का खुलेआम कहना है कि जब तक मिट्टी का बर्तन बनाने के लिए तालाब से मिट्टी मिलती थी तब तक मिट्टी का बर्तन बनाने का कार्य करके जीविकोपार्जन चलता था।लेकिन जब से तालाबों का पट्टा होने लगा तब से मिट्टी का बर्तन बनाने के लिए समुचित रूप से मिट्टी नहीं मिल पाती है ।इसी के कारण अब दूसरा व्यवसाय करके परिवार का पालन पोषण करना मजबूरी हो चुकी है। सच्चाई के धरातल पर देखा जाए तो मिट्टी के बर्तनों में कुज्जा, कुल्हड़, दियारी ,घडा, चकिया, बेलना ,तवा, कलश ,मटका आदि के बर्तन मिट्टी से बनाकर पकाने के बाद बेचा जाता था। विवाह के अवसर पर मिट्टी के बर्तन की जरूरत पड़ती थी ।धार्मिक कार्यक्रमों के अवसर पर मिट्टी के बर्तन की आवश्यकता पडती थी। वर्तमान समय में देखा जाए तो मिट्टी के दीपक की जगह मोमबत्ती ने ले लिया है ।वही कुल्हड़ और कुज्जा के स्थान पर प्लास्टिक के व फाइबर के गिलास उपयोग में आ रहे हैं। मिट्टी से बने खिलौने की जगह प्लास्टिक के खिलौने बाजार में खुलेआम बिक रहे हैं। बिजली की रोशनी से घर को सजाया जाने लगा है। दीपावली के दिन विद्युत से जलने वाले झालर चमकते हैं ।मिट्टी के बर्तन में भोजन करने और पानी पीने से जहां एक तरफ स्वाद मिलता था। वहीं दूसरी तरफ सेहत के लिए भी अच्छा माना जाता था। आधुनिकता की चकाचौंध में जब से आलस ने प्रभाव दिखाया तबसे फाइबर व प्लास्टिक के गिलास में चाय ,पानी ,व काफी इस्तेमाल किया जाने लगा है। जिसका सीधा असर खुलेआम सेहत पर पड़ रहा है।इन्सान तमाम बीमारियों का शिकार प्लास्टिक व फाइबर के बर्तन ,गिलास में गर्म चाय भोजन पीने से हो रहा है ।जो स्वाद मिट्टी के बर्तन में मिलता था वह अब प्लास्टिक के बर्तन व फाइबर के बर्तन प्रयोग करने से गायब हो चुका है।सुझाव के तौर पर कहा जा सकता है कि कुम्हारों और कासगर परिवारों के सदस्यों के नाम तालाब का पट्टा किया जाना जरूरी हो गया है जिससे मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए उपयोगी मिट्टी मिल सके।

डबल इंजन की सरकार ने पूरे देश में किसानों के साथ अन्याय करने का काम किया है –जय सिंह

अयोध्या संवाददाता डॉ. अजय कुमार तिवारी : डबल इंजन की सरकार ने पूरे देश में किसानों के साथ अन्याय करने का काम किया है किसानों की आय दोगुनी करने का झूठा सपना दिखाकर ठगने का काम किया है किसानों की आय दोगुनी होने के बजाय खेती की लागत ही बढ़ गई है आज डीजल पेट्रोल गैस के साथ–साथ एनपीके–डीएपी खाद के दामों में भी काफी बढ़ोतरी कर दी गई है आज जो फसलों के दाम हैं उसमें किसानों की खेती की लागत भी नहीं निकल रही है।यह वक्तव्य युवजनसभा के जिला अध्यक्ष जय सिंह यादव ने आज रुदौली तहसील पर महामहिम राज्यपाल को संबोधित 09 सूत्रीय मांग पत्र उप जिलाधिकारी रुदौली के प्रतिनिधि नायब तहसीलदार वीरेंद्र कुमार को सौंपते हुए कहीं ।मांग पत्र में प्रमुख रूप से बरसात के कारण किसानों की नष्ट फसलों का उचित मुआवजा, एनपीके डीएपी खाद की कीमतों में हुई मूल्य वृद्धि की वापसी, डीजल पेट्रोल गैस की मूल वृद्धि की वापसी, धान की कीमत 30रु प्रति किलोग्राम व गन्ने की कीमत 450 रु प्रति कुंतल किए जाने, जर्जर सड़कों की मरम्मत कराये जान, सांडों के हमले से मृतक किसानों के आश्रितों की 1 करोड़ आर्थिक मदद, रुदौली के तराई क्षेत्र में जल निकासी हेतु पम्पिंग स्टेशन का निर्माण,निर्माणाधीन रुदौली रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण शीघ्र कराए जाने आदि प्रमुख मांगे शामिल रहीं। जय सिंह यादव ने बताया कि किसानों एवं आम जनता की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण नहीं हुआ तो हम सभी नौजवान इस लड़ाई को और भी तेज करने का काम करेंगे। सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव के अनुसार इस मौके पर समाजवादी पार्टी जिला उपाध्यक्ष रुदौली प्रभारी ईश्वर लाल वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष विंध्याचल सिंह,रेहान खान, युवजनसभा जिला उपाध्यक्ष नरूलाह राजू ,अवधेश गोस्वामी, वरिष्ठ नेता शरद पासवान, युवजनसभा विधान सभा अध्यक्ष पिंटू वर्मा, लोहिया वाहिनी विधानसभा अध्यक्ष अमरनाथ यादव ,यूथ ब्रिगेड विधानसभा अध्यक्ष पवन यादव, छात्र सभा विधान सभा अध्यक्ष शाहबाज खान ,अधिवक्ता सभा विधान सभा अध्यक्ष चौधरी अजीमुद्दीन, एडवोकेट साहब सरन वर्मा ,अब्दुल जब्बार ,भाई लाल लोधी, युवजनसभा जिला सचिव नफीस सुल्तान ,अनिल वर्मा, ज्वाला प्रसाद रावत, समर पाल सिंह, मोहम्मद शरीफ, सुखराम सिंह, आसिफ शेख,लालई यादव विनोद लोधी,अमन यादव, अनमोल यादव ,निखिल पटेल, जितेंद्र ,जीत बहादुर यादव, निर्मल यादव, दिनेश कुमार, सूरज वर्मा, प्रमोद यादव ,राशिद उल्लाह, योगेंद्र यादव ,पहलाद ,नंदकिशोर यादव, प्रदीप कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

ट्रक चोरी में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) पटरंगा पुलिस ने ट्रक चोरी में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।थाना प्रभारी पटरंगा विवेक कुमार सिंह ने बताया कि करीब एक माह पूर्व बीपी मवई पेट्रोल पम्प से एक ट्रक चोरी हो गया था।कुछ दिन बाद ट्रक बरामद भी हो गया तथा ट्रक चोरी के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार भी हुआ था जबकि उसका दूसरा साथी फरार चल रहा था।पुलिस उसकी तलाश में लगी हुई थी।बुधवार को थाना प्रभारी विवेक कुमार सिंह को मुखबिर के जरिये सूचना मिली कि ट्रक चोरी का दूसरा आरोपी रानीमऊ चौराहे पर संदिग्ध परिस्थितियों में खड़ा है।थाना प्रभारी ने तत्काल हाई वे चौकी इंचार्ज जितेन्द्र यादव को मौके पर भेजा।चौकी इंचार्ज ने सिपाहियों को लेकर मौके पर पहुंच कर आरोपी को धर दबोचा।थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी शैलेन्द्र कुमार यादव पुत्र राम भवन यादव सुलतानपुर जिले के थाना बल्दीराय के ग्राम कोलहवा डभिया का निवासी है।थाना प्रभारी ने बताया कि शैलेन्द्र कुमार यादव को धारा 379/411 के तहत जेल भेज दिया गया।

कार्यकर्ता परिचय सम्मान समारोह सम्पन्न

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) भारतीय जनता पार्टी रुदौली नगर कमेटी द्वारा आयोजित कार्यकर्ता परिचय सम्मान समारोह भास्कर पब्लिक स्कूल में संपन्न हुआ।विधायक रामचंद्र यादव ने भाजपा के विभिन्न अनुसांगिक संगठन के कार्यकर्ताओं से कहा कि ऐसे लोग जो रुदौली के इतिहास को न पढाध है,न जाना है,न समझा है वे रुदौली में हो रहे भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं के कार्यों का मखौल उड़ा रहे हैं।उन्होंने कहा किस शहर में 2100 प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति हो चुकी है जिनमें से लगभग 2000 आवासों का निर्माण किया जा चुका है।कहा कि किसान सम्मान निधि पाने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं।शहर की प्रमुख रुदौली लोहिया पूर्व मार्ग,रुदौली रोजा गांव को चौड़ा किया जाए गया है।उन्होंने बताया कि शहर में शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन के सभी मार्गों को चौड़ा किया जा रहा है।तमसा नदी पर पुलों के निर्माण से आमजन का जीवन बदला,प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत आम गरीब जनता के लिए चिकित्सा सुविधा सुलभ हुई है।जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा की देश और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार में गांव गरीब और आमजन के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई। सच्चे अर्थों में सरकार ने सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के नारे को पूरा किया है।पूर्व सांसद व जनपद प्रभारी पद्म सिंह चौधरी ने कहा 2022 का चुनाव 2017 से भी अधिक संवेदनशील है।सरकार के सभी कार्यों को आम जनता तक पहुंचाना है।पार्टी कार्यकर्ताओं को इसके लिए जमीनी स्तर पर काम करना है।इसलिए हम सभी को एक साथ मिलकर युद्ध स्तर पर भारतीय जनता पार्टी को विजई बनाना है।कार्यक्रम में शक्ति केंद्र प्रभारी से लेकर के सभी मोर्चा के पदाधिकारियों को अंग वस्त्र पहना कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडे उर्फ खुन्नू,जिला महामंत्री अशोक कसौधन, विधायक प्रतिनिधि रॉज किशोर सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष शेखर गुप्ता, विवेक,नीरज, मानस, कृष्ण कुमार, श्याम जी,शिशिर अग्रवाल,कुलदीप सोनकर,दुर्गेश चन्द्र श्रीवास्तव,राम राज लोधी,हिमाँशु गर्ग,संदीप नवीन शुक्ला,हनुमान मिश्र आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी के सपनों को साकार कर महिलाओं को दिया गया स्वरोजगार प्रशिक्षण

अयोध्या संवाददाता डॉ. अजय कुमार तिवारी : समाज सेवा में अग्रणी मंगल पाण्डेय वेलफेयर सोसाइटी दुगवा देवगढ़ ने प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के महिला उत्थान के नारो को बुलंद करके महिलाओं के विकास का उत्कृष्ट समाज के उत्थान का कार्य किया है। इसी क्रम में महिलाओ को 2 माह का निशुल्क सोसाइटी के द्वारा रोजगार परक प्रशिक्षण देकर स्वालम्बी बनाने का प्रशिक्षण समाप्त होने पर एक रंगारंग कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बगल में स्थित कौटिल्य एकेडमी में मेंडल व प्रमाण पत्र कार्यक्रम की मुख्य अतिथि झुन झुनवाला महाविद्यालय की प्रवक्ता डा पूनम सिंह और कौटिल्य अकादमी के प्रबन्ध निदेशक खण्ड व शिक्षा अधिकारी हरिओम तिवारी ने संयुक्त रुप से प्रदान किया। सर्वोत्कृष्ट तीन सालू दूबे उन्नति दूबे विभा पाल को बिशिष्ट कार्य मे अव्वल होने पर मेडल कुल 32 प्रतिभागियो को ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण देकर प्रमाणपत्र दिया गया।अपने पैरो पर खडा करने का प्रधानमंत्री के प्रथम प्राथमिकता वाले बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और महिला सशक्तिकरण के नारों को स्वतंत्रता संग्राम सैलानियों के अग्रदूत मंगल पांडे के नाम से बनी इस सोसाइटी ने बुलंद करते हुए महिलाओं की उन्नति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक प्रशिक्षक पूजा सिंह निर्मला यादव के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ कार्यक्रम का कुशलता पूर्वक संचालन वर्षा सिंह ने किया इसमें सोसायटी के अध्यक्ष अवधेश कुमार पान्डेय उपाध्यक्ष शौरभ पान्डेय सदस्य छत्रपाल पाण्डेय ध्रुव पान्डेय राजा पान्डेय प्रयाग दत्त पान्डेय राम गोपाल पान्डेय प्रभाकर पान्डेय पूर्व प्रधान मडना अनिल सिंह सहित भारी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

भाजपा जिला इकाई द्वारा सहकारिता प्रकोष्ठ का सम्मेलन हुआ आयोजित

अयोध्या संवाददाता सरवन कुमार : भाजपा जिला इकाई द्वारा सहकारिता प्रकोष्ठ का सम्मेलन जिलाध्यक्ष संजीव सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया ,जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि, सहकारिता हमारे लिए राजनीति का विषय नहीं बल्कि सेवा का माध्यम है। बिन सहकार नहीं उद्धार का नारा लेकर हम समाज के सभी वर्गो के बीच में समान रुप से जाते है और जन कल्याण की योजनाओं को मूर्त रुप देने में अपनी भागीदारी निभाते हैं। सहकारिता प्रकोष्ठ पूरे जिले में सक्रियता से कार्य कर रहा है और सहकारिता आंदोलन में रुचि रखने वाले भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता भाजपा की सरकार बनाने मैं महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं । हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि, सरकार की योजनाओं का किसानों कृषकों को उचित लाभ मिले एवं सहकारिता आंदोलन के माध्यम से कृषक उन्नतशील बने एवं समृद्ध बने इस बात को देखने की जिम्मेदारी हमारे प्रत्येक कार्यकर्ता की है। सहकारिता क्षेत्र में असीम संभावनाएं है, इसके लाभ को जनता तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। आगामी समय मे बीमा प्रमाण–पत्र भी सहकारिता के माध्यम से बांटे जाएंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभापति धर्मेंद्र सिंह टिल्लू ने कहा, कार्यक्रम से कार्यकर्ता खड़ा होता है और सहकारिता आंदोलन के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए, जिससे अच्छे सहकारी कार्यकर्ताओं का निर्माण किया जा सके ओर जिससे हमारी पार्टी एवं संगठन को मजबूती मिले।जिलामीडिया प्रभारी डॉ रजनीश सिंह ने कहा कि हम सहकारिता को एक आंदोलन के रूप में लेते हैं, इसमें बहुत से रोजगार के अवसर हैं। सहकारिता का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, सहकारिता के माध्यम से हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सपनों को साकार कर सकते हैं। कृषि को बढ़ावा देने के सशक्त माध्यम के रूप में सहकारिता हमारे बीच में एक वरदान है। कार्यक्रम के पूर्व दीप प्रज्वलन एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य अशोक मिश्रा,जिला महामंत्री राधेश्याम त्यागी,राघवेंद्र पांडे,पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह,राममोहन भारती समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे ।वही रुदौली विधानसभा के रुदौली नगर मंडल में परिचय बैठक जिला अध्यक्ष संजीव सिंह ने की । इसमें पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने की । बैठक में बतौर मुख्य अतिथि जिला प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष पद्मसेन चौधारी ने शुरुआत में पदाधिकारियों का परिचय लिया । इसके बाद पार्टी के आगामी कार्यकर्मों की तैयारी के विषय में जानकारी ली। उन्होंनें पदाधिकारियों से कहा कि आगामी चुनाव पार्टी के लिए बहुत चुनौतिपूर्ण है। इसीलिए सभी पदाधिकारीगण अभी से ही कमर कसकर कार्य में जुट जाएं। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने आगामी कार्यक्रमों की तैयारी के विषय में मुख्य अतिथि को अवगत कराया। उन्होंने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह पार्टी के कार्यों से जनता को अवगत कराएं। संचालन महामंत्री अशोक कसौधन ने किया। बैठक में मंडल के पदाधिकारी, ब्लाक प्रमुख, चेयरमैन, मंडल प्रभारी व मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे।

विश्व पर्यटन के नक्शे पर स्थापित होगी अयोध्या –डीएम

अयोध्या संवाददाता सरवन कुमार : जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने अयोध्या जिले का पदभार संभाल लिया।प्रेस से मुखातिब श्री कुमार ऑपरेशन कायाकल्प के जरिए जिले की शिक्षा और स्वास्थ्य की तस्वीर बदलने की अपनी अनूठी पहल जिसे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके बरेली जिले के कार्यकाल में किए गए कार्यों की सराहना की थी को अयोध्या में भी लागू करके इसे विकास की ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प दोहराया है। कोविड–19 के समय बरेली जिले में किए गए उत्कृष्ट कार्य जिसे देश के पीएम ने भी सराहा है स्वास्थ्य सुविधाओं को यहां भी बेहतर ढंग से लागू करने की इच्छा जताई। जिले के ग्राम प्रधानों एवं सचिवो के सहयोग से जिले के परिषदीय विद्यालय आंगनबाड़ी आदि को बेहतर ढंग से कायाकल्प करके स्वच्छ वातावरण मे शिक्षा देने के अपने संकल्प को दोहराया। जिलाधिकारी ने श्री राम इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बेहतर ढंग से विकसित करके विश्व के पर्यटन के नक्शे पर स्थापित करने के लिए सभी का सहयोग लेकर करने की बात कही।यहां रोजगार की अपूर्व संभावना विकसित करने सर्विस सेक्टर को अयोध्या में स्थापित करके उसे ऐसा बनाने जिससे अयोध्या जो एक बार आए बार बार देखने आए।अयोध्या को विकसित करने के लिए सभी से बेहतर समन्वय स्थापित करके सरकारी योजना को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का प्रयास किया जाएगा। वार्ता में डिप्टी डायरेक्टर मुरलीधर सिंह सहायक अवधेश जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

पंजाब नेशनल बैंक ने चलाया 26 से 31 अक्टूबर तक सतकर्ता जागरूक अभियान

अयोध्या संवाददाता सरवन कुमार : सतकर्ता जागरूक अभियान पंजाब नेशनल बैंक ने चलाया। सात दिवसीय (26से31अक्टूबर) सतकर्ता जागरूक अभियान मंडल प्रमुख के एल बैरवा ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रारंभ किया।यह कार्यक्रम मंडल कार्यालय पर संपन्न हुआ,जिसमे समस्त कर्मचारियों व अधिकारियों ने अपना कार्य ईमानदारी व सत्यनिष्ठा से करने की प्रतिज्ञा ली। इस दौरान मंडल प्रमुख के एल बैरवा ने सभी स्टाफ के लोगो से कहा कि हम सबको अपने सभी कार्य मेहनत व निष्ठा से करने चाहिये। बैंक में कोई भी ग्राहक आए सबसे अच्छा व्यवहार करें और बैंक के द्वारा सभी सुविधाओं के बारे में लोगों को जागरूक करें जिससे समय समय से बैंक के द्वारा दी जाने वाली सुविधा का लाभ ले सके। इस दौरान उप मंडल प्रमुख अविनाश श्रीवास्तव सहित बैंक के तमाम अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।